



श्रमसाधना



हम बनेंगे आपकी आवाज
रकने करें और चैनल से जुड़े

shramsadhnagwl@gmail.com

श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

www.shramsadhnagnews.com

दैनिक सांध्यकालीन

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष: 38, अंक: 33 ग्वालियर, गुरुवार 03 सितंबर 2026

विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन

L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्योपुर में बलराम कृषि महोत्सव एवं किसान मेले को वर्चुअली किया संबोधित

किसानों को सिंचाई के लिए अब दिन में भी मिलेगी बिजली

श्योपुर/भोपाल जीएनएस
किसानों को अब सिंचाई के लिए दिन में भी बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। इससे किसान दिन के समय अपनी फसलों की सिंचाई कर सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को कृषि उपज मंडी परिसर श्योपुर में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव एवं किसान मेले को ग्वालियर एयरपोर्ट से वर्चुअली संबोधित करते हुए यह बात कही। इस दौरान उन्होंने श्योपुर के किसानों से संवाद भी किया।

मुख्यमंत्री ने कृषि उपज मंडी श्योपुर में किसानों के लिए नवीन विश्राम गृह के निर्माण के लिए 60 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। किसानों के हित में लगातार योजनाएं और कार्यक्रम संचालित

किए जा रहे हैं।

एक साल में चुकाना होगा शून्य प्रतिशत ब्याज का ऋण

डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। खरीफ और रबी फसलों के लिए ऋण चुकाने की अवधि पहले छह-छह माह थी, जिसे बढ़ाकर अब एक वर्ष कर दिया गया है। यानी किसान जिस दिन ऋण लेगा, उस दिन से एक वर्ष के भीतर ऋण चुका सकेगा।

उन्होंने किसानों की आय बढ़ाने के लिए पशुपालन को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिक से अधिक दुग्ध सहकारी समितियों का गठन कर दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि श्योपुर में धान और गेहूं का अच्छा उत्पादन होता है। इसके साथ ही जिले के किसान मोटे



अनाज की खेती भी कर रहे हैं।

मेधावी विद्यार्थियों को दी बधाई : मुख्यमंत्री ने कक्षा 12वीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने बताया कि मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप खरीदने के लिए 25-25 हजार रुपए की राशि दी गई है। उन्होंने

अभिभावकों से बच्चों की शिक्षा पर ध्यान देने और फिजूलखर्ची रोकने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि शादी-विवाह सहित अन्य सामाजिक आयोजनों में अनावश्यक खर्च कम किया जाए और सामूहिक विवाह सम्मेलनों को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने सभी को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं भी

दीं।

किसान ने बताया योजनाओं का लाभ : मुख्यमंत्री से संवाद के दौरान ग्राम राडेप के किसान मुकुट चौधरी ने बताया कि कृषि अभियांत्रिकी विभाग की योजना के तहत उन्हें पराली प्रबंधन के लिए कृषि यंत्र सब्सिडी पर मिले हैं। उन्होंने सुपर सीडर खरीदा, जिस पर उन्हें 1.20 लाख रुपए का अनुदान मिला।

बलराम कृषि महोत्सव एवं किसान मेले में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को खेती की नवीन तकनीक और फसलों से संबंधित उपयोगी जानकारी दी। मेले में कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्यपालन और एनआरएलएम की विभिन्न योजनाओं की प्रदर्शनी भी लगाई गई। कार्यक्रम में प्रगतिशील किसानों नरेंद्र चौधरी, भरत जाट, शिशुपाल मीणा, सोनू शर्मा, बनवारी मीणा, भुवनेश

मीणा, पूरण प्रजापति, गोविंद पटेलिया और मान सिंह पटेलिया को शॉल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं कक्षा 12वीं के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम वाले विद्यार्थियों अंकुश मेहर, भूमिका माहौर, आशा गुर्जर, अनमोल मीणा, अभय गुर्जर, पूनम जाट, वैष्णवी जाट, दीनबंधु मीणा, करण मीणा और मयंक शर्मा को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में सहरिया विकास प्राधिकरण अध्यक्ष गुड्डि बाई, विधायक बाबू जंडेल, नगरपालिका अध्यक्ष रेणु सुजीत गर्ग, पूर्व विधायक बृजराज सिंह चौहान, जिला पंचायत सदस्य एवं कृषि स्थायी समिति के सभापति गिरधारी बैरवा, सांसद प्रतिनिधि सुजीत गर्ग, कलेक्टर शीला दाहिमा, पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान सहित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

श्री राधा-कृष्ण भगवान बेशकीमती प्राचीन आभूषणों से होंगे

गोपाल मंदिर में 4 सितंबर को भव्य रूप से मनेगा जन्माष्टमी महोत्सव

ग्वालियर जीएनएस

नगर निगम ग्वालियर द्वारा फूलबाग स्थित ऐतिहासिक गोपाल मंदिर में 4 सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। महोत्सव दोपहर 12 बजे से शुरू होगा। आयोजन की तैयारियों को लेकर निगमायुक्त अभिषेक चौधरी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। निगमायुक्त ने बताया कि गोपाल मंदिर में जन्माष्टमी के अवसर पर प्रतिवर्ष भगवान श्रीकृष्ण और राधाजी को मंदिर के प्राचीन एवं बेशकीमती आभूषणों से सजाया जाता है। इस परंपरा के तहत इस वर्ष भी भगवान का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। उन्होंने बताया



कि भगवान के सोने-चांदी के बर्तन, आभूषण और श्रृंगार की अन्य सामग्री बैंक लॉकर में सुरक्षित रखी जाती है। जन्माष्टमी के अवसर पर पुलिस बल की मौजूदगी में इन सभी बेशकीमती आभूषणों और श्रृंगार सामग्री को बैंक लॉकर से निकालकर गोपाल मंदिर लाया



जाएगा। इसके बाद आभूषणों एवं अन्य सामग्री की सफाई कर भगवान श्री राधा-कृष्ण का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। जन्माष्टमी महोत्सव को लेकर मंदिर परिसर में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए निगम के संबंधित विभागों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

रासलीला समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री

श्रीकृष्ण के चरण पड़े स्थलों को श्रीकृष्ण तीर्थ के रूप में विकसित कर रही सरकार : सीएम

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन संघर्षों से भरा रहा। जन्म से लेकर श्रीमद्भगवद्गीता का ज्ञान देकर 'जगतगुरु' की उपाधि पाने तक उन्होंने कठिन परिस्थितियों का सामना किया, लेकिन कभी चुनौतियों से मुंह नहीं मोड़ा। उन्होंने अपने जीवन का उपयोग लोककल्याण के लिए किया।

मुख्यमंत्री बुधवार शाम रविंद्र भवन में आयोजित सात दिवसीय रासलीला समारोह में भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं पर आधारित प्रस्तुतियां देखने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने राधा-कृष्ण की सजीव झांकी की आरती उतारी और कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने सभी को हलषष्ठी एवं



जन्माष्टमी की अग्रिम शुभकामनाएं भी दीं।

डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का मध्यप्रदेश से गहरा नाता रहा है। वे मध्यप्रदेश आए और यहीं शिक्षित-दीक्षित होकर कान्हा से भगवान श्रीकृष्ण बने। राज्य सरकार प्रदेश में जहां-जहां

भगवान श्रीकृष्ण के चरण पड़े हैं, उन स्थलों को चिह्नित कर 'श्रीकृष्ण तीर्थ' के रूप में विकसित कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीकृष्ण ने कभी मोह को जीवन पर हावी नहीं होने दिया। उन्होंने 64 कलाओं, 14 विद्याओं और 18 पुराणों का ज्ञान अर्जित किया।

110 लोगों की हुई स्वास्थ्य जांच, 25 की शुगर बढ़ी मिली

लायंस क्लब ग्वालियर सेंट्रल ने लगाया डायबिटीज एवं बीपी जांच शिविर

ग्वालियर जीएनएस

लायंस क्लब ग्वालियर सेंट्रल की ओर से जीवाजी विश्वविद्यालय स्थित राजमाता विजयाराजे सिंधिया चौराहे पर निःशुल्क डायबिटीज एवं बीपी जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कुल 110 लोगों की निःशुल्क शुगर और रक्तचाप की जांच की गई।

जांच के दौरान 25 लोगों की शुगर निर्धारित मानक से अधिक

पाई गई, जबकि दो लोगों की शुगर काफी अधिक मिली। शिविर संयोजक लायन डॉ. दुर्गेश साहू ने उन्हें आवश्यक परामर्श देते हुए पूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण कराने की सलाह दी। वहीं बीपी जांच में पांच लोगों का रक्तचाप सामान्य से अधिक और दो लोगों का सामान्य से कम पाया गया। अन्य सभी लोगों का रक्तचाप सामान्य रहा।

शिविर का अवलोकन

आईपीडीजी एमजेएफ लायन सुधीर बाजपेयी ने किया। उन्होंने लायंस क्लब ग्वालियर सेंट्रल द्वारा किए जा रहे सेवा कार्य की सराहना की। शिविर की व्यवस्थाओं को अध्यक्ष लायन अजय बत्रा, सचिव लायन रोशन गाबरा, कोषाध्यक्ष लायन अमित अग्रवाल एवं संयोजक लायन डॉ. दुर्गेश साहू ने पहले ही पूरा कर लिया था। शिविर शुरू होते ही लोगों ने उत्साह के

साथ स्वास्थ्य जांच कराई। सेवा कार्य में रीजन चेयरपर्सन लायन राजेश वाटवानी, पूर्व अध्यक्ष लायन विवेक सेठी, लायन सतीश भट्टा, संजय अग्रवाल, गिरीश गाबरा, धनवंत अग्रवाल, दीपक धमेजा, दीपक गुप्ता, संजय बहिरानी, गालव सिंघल, राहुल करीड़ा, दिनेश गुप्ता, शरद गोयल और जितेंद्र गाबरा सहित क्लब के अन्य सदस्यों ने सहयोग किया।



भगवान श्री देवनारायण जी के परम निष्ठावान एवं प्रसिद्ध अश्व भव्य 'लीलाधर उत्सव' के पोस्टर का राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने किया विमोचन

जयपुर, जीएनएस।

अखिल भारतीय गुर्जर महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भगवान श्री देवनारायण एवं भैरव बाबा मंदिर समिति के अध्यक्ष रवि शंकर धाभाई ने बताया कि भगवान श्री देवनारायण जी के परम निष्ठावान एवं प्रसिद्ध अश्व 'लीलाधर' की स्मृति, सम्मान और गौरव को समर्पित आगामी 'लीलाधर उत्सव' के पोस्टर का आज राजस्थान के माननीय राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने सिविल लाईंस स्थित लोक भवन में आयोजित गरिमामय समारोह में अपने कर-कमलों से विमोचन किया।

अखिल भारतीय गुर्जर महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भगवान श्री देवनारायण, भैरव बाबा एव भूमिया जी महाराज प्राचीन मंदिर समिति के अध्यक्ष रवि शंकर धाभाई ने बताया कि 'लीलाधर उत्सव' केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भगवान श्री देवनारायण जी की

गौरवशाली परंपरा, लोक आस्था, वीरता, निष्ठा और जनकल्याण की भावना को समर्पित एक भव्य सांस्कृतिक एवं धार्मिक उत्सव होगा।

इस अवसर पर अखिल भारतीय गुर्जर महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि शंकर धाभाई, अशोक कुमार शर्मा आयकर अधिकारी, विनोद कुमार लोकवानी पूर्व आयकर अधिकारी, राजेंद्र कुमार सोनी सी.ए.करन सिंह तंवर, दिनेश गुर्जर महासंघ के पदाधिकारीगण, मंदिर समिति के पदाधिकारी, समाज के प्रबुद्धजन एवं बड़ी संख्या में गुर्जर समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

लीलाधर-निष्ठा, साहस और समर्पण का प्रतीक-भगवान श्री देवनारायण एवं भैरव बाबा मंदिर समिति के अध्यक्ष रवि शंकर धाभाई ने बताया कि भगवान श्री देवनारायण जी का अवतरण और उनके द्वारा किए गए जनकल्याण के कार्य लोकमानस में धर्म, न्याय और सत्य की विजय के प्रतीक



माने जाते हैं। भगवान श्री देवनारायण जी के परम सहयोगी और उनकी वीरता एवं निष्ठा के प्रतीक अश्व लीलाधर का लोक संस्कृति, लोकगाथाओं और भक्ति परंपरा में विशिष्ट स्थान है।

इसी गौरवशाली परंपरा और श्रद्धा को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से इस वर्ष 'लीलाधर उत्सव' का भव्य आयोजन किया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार उत्सव में धार्मिक आस्था के साथ-साथ राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराओं की भी भव्य झलक देखने को मिलेगी। पोस्टर विमोचन के साथ ही भगवान श्री देवनारायण

जी के श्रद्धालुओं, गुर्जर समाज तथा सनातन संस्कृति से जुड़े लोगों में उत्साह की लहर दौड़ गई। समारोह में उपस्थित गणमान्यजनों ने इस आयोजन को लोक आस्था, धार्मिक परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया।

अश्व पूजन और महाआरती से होगा शुभारंभ-उत्सव का शुभारंभ पारंपरिक विधि-विधान एवं धार्मिक श्रद्धा के साथ विशेष अश्व पूजन तथा भव्य महाआरती से किया जाएगा। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। निकलेगी

भव्य शोभायात्रा, आकर्षण का केंद्र होंगी सजीव झांकियां-उत्सव का प्रमुख आकर्षण भव्य शोभायात्रा होगी। शहर के प्रमुख मार्गों से भगवान श्री देवनारायण जी एवं उनके परम निष्ठावान अश्व लीलाधर की सजीव झांकियों के साथ शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा में धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ राजस्थान की लोक परंपराओं की मनोहारी झलक दिखाई देगी।

इसके साथ ही विभिन्न सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा, जिनमें श्रद्धालु एवं समाज के लोग उत्साहपूर्वक भाग लेंगे।

पोस्टर विमोचन के साथ तैयारियां युद्धस्तर पर शुरू-रवि शंकर धाभाई ने बताया कि पोस्टर विमोचन के साथ ही 'लीलाधर उत्सव' की तैयारियां युद्धस्तर पर प्रारंभ कर दी गई हैं। आयोजन को भव्य, सुव्यवस्थित और ऐतिहासिक स्वरूप देने के लिए विभिन्न स्तरों पर तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने

कहा कि भगवान श्री देवनारायण जी केवल एक आराध्य देव ही नहीं, बल्कि जनआस्था, सामाजिक समरसता, न्याय, त्याग, साहस और लोककल्याण की प्रेरणा के प्रतीक हैं। लीलाधर की स्मृति से जुड़ा यह आयोजन हमारी गौरवशाली लोक परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखने का प्रयास है।

देशभर के श्रद्धालुओं से सपरिवार शामिल होने की अपील-अखिल भारतीय गुर्जर महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि शंकर धाभाई ने देशभर के श्रद्धालुओं, गुर्जर समाज के बंधुओं तथा भगवान श्री देवनारायण जी में आस्था रखने वाले सभी धर्मप्रेमी नागरिकों से सपरिवार 'लीलाधर उत्सव' में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह उत्सव आस्था, संस्कृति और सामाजिक एकता का ऐसा भव्य संगम बनेगा, जिसकी गूंज दूर-दूर तक पहुंचेगी। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से उत्सव को सफल बनाने में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

उल्लास अभियान अंतर्गत न्यायालयीन परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

श्यापुर, जीएनएस।

माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री बीएल प्रजापति की उपस्थिति में जिला न्यायालय परिसर श्यापुर में उल्लास अभियान अंतर्गत वृक्षारोपण सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री बीएल प्रजापति द्वारा पौधे रोपित कर बताया कि हमें प्रकृति के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए, इस हेतु पर्यावरण संरक्षण के लिये हमें स्वयं वृक्षारोपण कर दूसरों को भी अधिक से अधिक वृक्षारोपण किये जाने हेतु प्रेरित करना चाहिए।

उक्त वृक्षारोपण कार्यक्रम अंतर्गत विशेष न्यायाधीश श्री सुशील कुमार, प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय श्री संजय कुमार, प्रथम जिला एवं अपर



सत्र न्यायाधीश सुश्री प्रतिष्ठा अवस्थी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुश्री संध्या मरावी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती वर्षा सूर्यवंशी मजूमदार, समस्त न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्री अमोघ अग्रवाल, श्रीमती मनदीप कौर सेहमी, सुश्री त्रिभा भट्ट, सुश्री पूर्वी राय, सुश्री भव्या गुप्ता, जिला विधिक सहायता अधिकारी सुश्री

अंकिता शांडिल्य, जिला अभिभाषक संघ श्यापुर के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश गुप्ता, सचिव श्री शरद जैन, न्यायालयीन अधिकारी एवं कर्मचारीगण द्वारा उपस्थित रहकर अशोका, लीची, मधुगामिनी, गुलाब, चंपा, चमेली, गुड़हल, मोगरा आदि के फलदार व छायादार पौधे रोपित किये गये।

मलेरिया नियंत्रण एवं जागरूकता अभियान

श्यापुर, जीएनएस।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन एवं जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. एसएन बिंदल के निर्देशन में जिले में मलेरिया नियंत्रण गतिविधियों को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से विकासखंड श्यापुर (बड़ौदा) एवं विजयपुर के विभिन्न ग्रामों में स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा भ्रमण, समीक्षा, बुखार रोगियों की जांच एवं जन-जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गई।

विकासखंड श्यापुर (बड़ौदा) के ग्राम नागदा एवं हंसापुरा में एम.टी.एस. श्री अरविन्द द्वारा सी.एच.ओ., ए.एन.एम. एवं आशा कार्यकर्ताओं द्वारा किए जा रहे मलेरिया नियंत्रण कार्यों की समीक्षा की गई। उन्हें नियमित रूप से लावा सर्वे, बुखार रोगियों की पहचान एवं जांच तथा जागरूकता गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए गए। ग्राम नागदा में टीकाकरण सत्र स्थल तथा हंसापुरा में आंगनबाड़ी केंद्र पर उपस्थित ग्रामीणों को मलेरिया से बचाव के उपायों की जानकारी दी



गई। इसी क्रम में विकासखंड विजयपुर के ग्राम रघुनाथपुर एवं बलावनी में बुखार रोगियों की जांच के साथ समुदाय बैठक आयोजित कर ग्रामीणों को मलेरिया के लक्षण, जांच एवं उपचार की जानकारी दी गई। ग्रामीणों को समझाइश दी गई कि बुखार होने पर इसे सामान्य न समझें और तत्काल रक्त की जांच कराएं। स्वास्थ्य टीमों द्वारा ग्रामीणों को मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए घर एवं आसपास पानी का अनावश्यक जमाव नहीं होने देने, पानी की टंकियों एवं कूलरों की नियमित सफाई करने तथा सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करने

की सलाह दी गई। साथ ही शाम के समय घर के अंदर नीम की पत्तियों का धुआं करने सहित मच्छरों से बचाव के अन्य उपायों के प्रति जागरूक किया गया। विजयपुर क्षेत्र में आयोजित गतिविधियों के दौरान बीएमओ डॉ. राघवेंद्र कर्ण, एम.टी.एस. साहिब कुरैशी, बीपीएम दिलीप डंडोटिया एवं बीसीएम कमल किशोर उपस्थित रहे। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया गया कि वे सतत क्षेत्र भ्रमण कर बुखार रोगियों की पहचान, समय पर जांच एवं उपचार तथा मलेरिया रोकथाम संबंधी जन-जागरूकता सुनिश्चित करें।

अपराध अनुसंधान को अधिक वैज्ञानिक एवं साक्ष्य आधारित बनाने की दिशा में मध्यप्रदेश पुलिस की पहल

भोपाल, जीएनएस।

अपराधों की विवेचना को अधिक वैज्ञानिक, तार्किक एवं साक्ष्य-आधारित बनाने तथा विवेचकों एवं स्टाफ को आधुनिक फॉरेंसिक एवं डिजिटल तकनीकों में दक्ष बनाने के उद्देश्य से विशेष पुलिस महानिदेशक श्री पंकज श्रीवास्तव के निर्देशन में तथा पुलिस उपमहानिरीक्षक श्री साकेत पाण्डेय, श्री प्रशांत खरे एवं सहायक पुलिस महानिरीक्षक श्री मनीष खत्री के मार्गदर्शन में अपराध अनुसंधान विभाग, पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा

03 दिवसीय विशेष फॉरेंसिक, वैज्ञानिक एवं डिजिटल विवेचना प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन आज शुभारंभ हुआ। कार्यशाला 01 से 03 सितम्बर 2026 तक आयोजित की जा रही है।

कार्यशाला में पुलिस अधिकारियों एवं विवेचकों को अपराध स्थल से साक्ष्य संकलन, संरक्षण, वैज्ञानिक परीक्षण, आधुनिक अपराध अनुसंधान तकनीकों, फॉरेंसिक साइंस तथा डिजिटल टूल्स के व्यावहारिक उपयोग के साथ-साथ डिजिटल साक्ष्यों के वैज्ञानिक एवं विधिसम्मत उपयोग के संबंध में



प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे अपराधों की अनुसंधान एवं विवेचना तार्किक व वैज्ञानिक साक्ष्यों से परिपूर्ण हो सके और

दोषसिद्धि दर (कन्विक्शन रेट) में वृद्धि हो सके। कार्यशाला में राज्य के वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, फॉरेंसिक विशेषज्ञ

एवं वरिष्ठ पुलिस अधिकारी प्रशिक्षण प्रदान करेंगे।

कार्यशाला का शुभारंभ 01 सितंबर को प्रातः 10 बजे हुआ, जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रशिक्षण की रूपरेखा पर विस्तृत परिचर्चा की और प्रतिभागियों को कार्यशाला के उद्देश्यों से अवगत कराया। डायरेक्टर फिंगर प्रिंट शाखा श्री मनोज राजपुत ने चांस प्रिंट (घटनास्थल पर मिलने वाले अस्पष्ट अंगुल चिन्ह) को विकसित करने की आधुनिक विधियों, घटनास्थल निरीक्षण एवं जल्दी प्रक्रिया, विवादित दस्तावेजों में अंगुल चिन्ह की

जाँच, इंकलेस पैड व लाइव स्कैनर के माध्यम से सर्च स्लिप तैयार करने की प्रक्रिया, तथा इन्फ्रारेड एवं स्ट्र प्रणाली से जुड़े विधिक प्रावधानों पर विस्तार से जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक सीआईडी श्री त्रिभुजराज गुप्ता ने प्रश्नगत दस्तावेज परीक्षण (भाग-1) के अंतर्गत आधुनिक अपराधिक न्याय परिदृश्य में प्रश्नगत दस्तावेजों के महत्व, उनके वर्गीकरण एवं परीक्षण, संदेहास्पद अभिलेखों की जल्दी तथा परीक्षण के आधारभूत सिद्धांतों को समझाया।

03 प्रकरण जाएंगे न्यायालय, 67500 रुपये का जुर्माना वसूला

नगर निगम मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में लगी मोबाइल कोर्ट, मौके पर हुई 28 प्रकरणों में कार्रवाई

ग्वालियर, जीएनएस।

नगर निगम मजिस्ट्रेट श्री निशांत मिश्रा के नेतृत्व में संचालित मोबाइल कोर्ट द्वारा शहर में गंदगी फैलाने और अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। इस दौरान नगर निगम और खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने विभिन्न क्षेत्रों में निरीक्षण कर नियमों का उल्लंघन करने वालों पर

67500 रुपये का जुर्माना लगाया। जिसमें धारा 248 के तहत 6 प्रकरण एवं धारा 322 के तहत 22 प्रकरण बनाए। मोबाइल कोर्ट में कुल 28 प्रकरण बनाए गए तथा 03 प्रकरण जिसमें जुर्माना राशि जमा करना स्वीकार नहीं किया गया है उन्हें माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा।

नोडल अधिकारी विधि श्री

अनूप लिटोरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्रवाई के दौरान थाटीपुर क्षेत्र में बसीम मीट शॉप, खान मटन शॉप एवं कुरैशी मीट शॉप पर धारा 248 गंदगी फैलाने पर 2000-2000 रुपये का जुर्माना किया गया। इसके पश्चात गोविंदपुरी क्षेत्र में होटल मोजिक पर धारा 248 के तहत 5000 रुपये का जुर्माना वहीं गोले का मंदिर क्षेत्र

में श्रीराम मिश्रान भंडार पर धारा 322 एवं 248 के तहत 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। इसके पश्चात मुरार बारादरी क्षेत्र में धारा 322 के तहत खादू श्याम फर्नीचर पर 5000 रुपये का जुर्माना, साहिल स्टील फर्नीचर पर 5000 रुपये का जुर्माना किया गया। 07 नम्बर चौराहा मुरार स्थित होटल नारायणम पर धारा 248 के

तहत 2000 रुपये का जुर्माना वहीं गोला का मंदिर क्षेत्र में धारा 322 के चार प्रकरण में 8000 का जुर्माना एवं सदर बाजार मुरार में धारा 322 के तहत दस प्रकरण बनाये गए तथा 20000 रुपये का जुर्माना वसूल किया गया। इस दौरान नगर निगम के मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव, मदाखलत अधिकारी श्री शैलेन्द्र

चौहान, स्वास्थ्य अधिकारी श्री भीष्म पमनानी सहित निगम के स्वास्थ्य विभाग एवं मदाखलत विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे तथा पुलिस बल उपस्थित रहा। नगर निगम मजिस्ट्रेट ने स्पष्ट किया है कि शहर में स्वच्छता और सुचारु यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

पिछोर में मारपीट और चोरी के दो मामले दर्ज

पिछोर। थाना पिछोर पुलिस ने अलग-अलग घटनाओं में दो मामले दर्ज किए हैं। पहला मामला- ग्राम सलेया में 1 सितंबर को खेत जोतने की बात को लेकर उदयवीर सिंह यादव (25) के साथ करन यादव और वदन यादव ने कथित रूप से गाली-गलौज करते हुए मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने अपराध क्रमांक 182/26, धारा 115(2), 296(बी), 351(2), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है। दूसरा मामला- करही कॉलोनी, पिछोर में दिनेश चौहान (27) के घर का ताला तोड़कर अज्ञात व्यक्ति अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरों और 20 हजार रुपये नकद चोरी कर ले गया। पुलिस ने अपराध क्रमांक 183/26, धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

यात्रा का समापन किया गया

संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज के 650वें वर्ष के जयंती के उपलक्ष्य में छीमक मण्डल में भारतीय जनता पार्टी द्वारा समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत कलश यात्रा छीमक मण्डल अध्यक्ष श्री धीरज शर्मा जी के नेतृत्व में निकाली गई। कलश यात्रा ग्राम बारोल से प्रारंभ होकर महाराजपुर दफाई, महाराजपुर, रजियार, सुनवई, छीमक, संतोला में यात्रा का समापन किया गया। यात्रा में मंडल प्रभारी श्री अरुण पचौरी जी श्री केशव बघेल जी कुकुट विकास निगम अध्यक्ष वरिष्ठ भाजपा नेता श्री कसान सिंह सहसारी जी, यात्रा प्रभारी श्री बनबारी परिहार जी श्री बंटी राजा जी पूर्व मंडल अध्यक्ष श्री रामवीर धुरैया जी वरिष्ठ भाजपा नेता श्री बलदेव चहल जी श्री उमेश रिसालदार जी मोहन पंडोलिया सरपंच बारोल देवेन्द्र जाट जी, धर्मेश परिहार बंटी रावत सोनू मुद्गल राधेश्याम बघेल धर्मेश निगम हरजिंदर कुशवाह शिवम शाक्य विनोद आदिवासी सुनील बघेल धर्मेश कौशिक रिंकु परिहार आफताब सेन आदि।

तहसील परिसर में बीमार पड़ी गाय को कांग्रेसी नेता ने डॉक्टर को बुलाकर कराया उपचार

जालौन, जीएनएस।

मंगलवार को सुबह कांग्रेसी नेता एवं गौ सेवक आदित्य नगाइज अपनी तहसील में स्थित कैंटीन में पूर्व की भाति रोजाना की तरह जैसे पहुंचे कैंटीन के समीप पड़ी बीमार गाय को देखकर हाथ फेरा तो उनका स्वयं बीमारी हालत में गाय दिखी तत्काल सूचना पशु चिकित्सा अधिकारी देवेन्द्र सचान को दी उन्होंने कांग्रेसी नेता की सूचना को संज्ञान में लेकर तत्काल कर्मचारियों को लेकर तहसील परिसर में पड़ी गाय के समीप पहुंचकर परीक्षण कर



उपचार किया गाय को उपचार मिलते ही तत्काल राहत मिली मौजूद कांग्रेसी नेता ने गाय को इलाज करते हुए कहा कि बेजुबान पशुओं की सेवा और उनकी सुरक्षा समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है

उन्होंने कहा कि पशु बीमार अथवा घायल होने की जानकारी मिलने पर संबंधित पशु चिकित्सालय सूचना देकर उपचार करने में सदैव अग्रसर रहे जिससे सर्वाधिक पुण्य पाये।

समस्त लेखपाल राजस्व लंबित मामले समय से पूरा करें: मिश्रा

जालौन, जीएनएस।

तहसीलदार की अध्यक्षता नायब तहसीलदार एवं राजस्व निरीक्षकों तथा लेखपालों की मौजूदगी में साप्ताहिक बैठक आयोजित की गई।

मंगलवार के दिन तहसील सभागार में आयोजित लेखपालों की साप्ताहिक बैठक पर तहसीलदार श्रीश कुमार मिश्रा ने समस्त लेखपालों के जमकर पेच कसते हुए कहा कि जिन लेखपालों के पास राजस्व संबंधित कूरा बटवारा तथा हदबदी फाइल तथा



आइजीआरएस अधिकारियों द्वारा भेजे गए प्रार्थना पत्र आदि लंबित मामलों को समय से पूरा करें जो भी लेखपाल अपने कार्यों प्रति लापरवाही करेगा ऐसे लेखपाल को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं

करूंगा मुझे हर हाल में दिए गए राजस्व कार्यों को सत प्रतिशत पूरा कर अपने को कार्यवाही से लेखपाल बचाये तभी भलाई संभव होगी उन्होंने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अगली साप्ताहिक बैठक में

किसी लेखपाल का यदि यही रोगा रहा तो ऐसे लेखपाल की खैर नहीं होगी साथ में उन्होंने कहा कि अपने-अपने ग्रामों में जाकर वर्षा से गिरे हुए मकान का तत्काल सर्वे कर अपनी जांच आख्या सहित पटल में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए जिससे प्रभावित लाभार्थियों के खातों में सहायता धनराशि भेजी जा सके नायब तहसीलदार चंद्र मोहन शुक्ला ने बैठक में मौजूद लेखपालों से कहा कि प्रत्येक साप्ताहिक बैठक में अधिकारियों की फटकार सुनने के सभी लोग आदि

हो गए हैं अपना अपना कार्य समय से पूरा कर स्वयं में अच्छे लेखपाल साबित होने के निर्देश दिए बैठक में मौजूद नायब तहसीलदार प्रिंस बाबू राजस्व निरीक्षक कुंवर हरेंद्र सिंह राजस्व निरीक्षक रामचंद्र राजस्व निरीक्षक राजेंद्र प्रसाद सदर लेखपाल जितेंद्र सिंह यादव लेखपालों में छविनाथ सिंह पाल शिवमंगल पाठक रण केंद्र पांडे जितेंद्र राजपूत अभिषेक विभा प्रिया सिंह चौहान पल्लवी श्रीवास्तव विद्यासागर राहुल कुमार दर्शन सिंह गौतम आदि लोग मौजूद थे।

बारिश में जलभराव रोकने निगम ने कसी कमर

ग्वालियर, जीएनएस।

हर साल बारिश के मौसम में होने वाले जलभराव से प्हर को निजात दिलाने के लिए नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने निगम अधिकारियों को शहर की प्रत्येक नाली का सर्वे करने का निर्देश दिया है। इस निर्देश के तहत सर्वे किया जाएगा कि हर छोटी नाली आगे जाकर कहां मिल रही है, इसके साथ ही सीवर लाइनों के

उन पाइंटों का सर्वे किया जा ना है, जहां पर बारिश का पानी सीवर लाइनों में मिल रहा है।

नगर निगम आयुक्त ने पीएचई विभाग, जनकार्य, एवं सीवर सेल की बैठक ली। बैठक में जलभराव की समस्या को खत्म करने के लिए मंथन किया गया। इस दौरान निगमायुक्त ने पूछा कि शहर की नालियां कहां जाकर मिल रही हैं, इसकी विस्तृत जानकारी दी

जाए, इसके साथ ही बैठक में सीवर सेल के अधिकारियों ने बताया कि अनेकों स्थानों पर बारिश के पानी को निकासी के लिए सीवर लाइनों से जोड़ दिया गया है। जिसके चलते बारिश के दौरान पानी के साथ मिट्टी, गाद और कचरा पहुंच रहा है, जिससे सीवर लाइन जाम हो रही हैं। निगमायुक्त ने सीवर लाइनों में मिलने वाले पाइंटों की संख्या

पूछी। इसके बाद नगर निगम आयुक्त ने निर्देश दिए हैं कि शहर की प्रत्येक नाली का सर्वे किया जाए। इसमें देखा जाए कि कौन सी छोटी नाली किस बड़ी नाली में मिल रही है और बड़ी नाली का मिलान कहां पर हो रहा है।

कितनी नालियां जाम हैं, और कितनी नालियों का मिलान नहीं हुआ है। इसकी विस्तृत रिपोर्ट तैयार करें इसके लिए पूरे शहर में

नगर निगम के अधिकारियों को सर्वे करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही सीवर लाइनों के उन पाइंटों का सर्वे भी करने के निर्देश दिए गए हैं जहां बारिश का पानी सीवर लाइन में मिल रहा है। बैठक में अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव, श्री प्रदीप तोमर, अधीक्षण यंत्री श्री एसएल बाथम सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

भिण्ड-गोस्मी
के
समाचार
विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

श्रीजी
Har Khushi Ki Pahali Pasand
Soya Chunks, PASTA, POHA, MAACHA, ATTA
SCAN TO SHOP
OUR NEW PRODUCT

શ્રમસાધના

संपादकीय

अपने ही बुने जाल में फंसे मुख्य राजनीतिक दल

अपनी सत्ता को अक्षुण्ण बनाए रखने के प्रयास में राजनीति कब किस कुचक्र में फंस जाए तथा अपनी ही चालों में भटक कर आम आदमी के लिए संकट खड़ा कर दे, कहा नहीं जा सकता। भारत की जाति आधारित राजनीति राष्ट्र की एकता व अखंडता को दाँव पर लगाकर कब व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं के किए जन भावनाओं को आहत करने लगे, इसका भी पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता। भारत की राजनीति प्रारंभ से ही सवर्ण विरोध पर आधारित रही है। देश का सवर्ण वोट बैंक कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी का बिना शर्त वाला वोट बैंक रहा है। यही कारण है, कि कांग्रेस या भाजपा ने कभी सवर्ण मतदाताओं की समस्या पर कोई ध्यान नहीं दिया। विभिन्न राज्यों में केवल चंद जातियों को अपना वोट बैंक मानने वाले राजनीतिक दलों ने अपनी विशेष जाति के अतिरिक्त सामान्य वर्ग में आने वाली जातियों को अपना वोट बैंक नहीं समझा। यही कारण रहा, कि गैर भाजपा व गैर कांग्रेसी राजनीतिक दलों समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, आजाद समाज पार्टी, राष्ट्रीय जनता पार्टी तथा अन्य दलों में ब्राह्मण, राजपूतों, वैश्यों, कायस्थों के साथ अछूतों जैसा व्यवहार किया गया। सार्वजनिक मंचों पर आज भी इन दलों का सवर्ण विरोधी चरित्र उजागर है। जातीय आधार पर वोट बैंक साधने में लगी समाजवादी पार्टी ने पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यकों को एकजुट करके सामाजिक बंटवारे की आधारशिला पर ही अपनी सियासी जीत की कामना की। बसपा ने एक समय सर्व जातीय सोशल इंजीनियरिंग के आधार पर उत्तर प्रदेश में शासन चलाया भी, लेकिन वर्तमान दौर में जातीय मानसिक विकलांगता ने जो वातावरण तैयार किया है, वह भाजपा और कांग्रेस को धरती चटाने की दिशा में अग्रसर है। सभी वर्गों के नेताओं को साथ लेकर चलने वाली भाजपा में तथाकथित सवर्ण जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा ने सवर्ण नेताओं को अपने अस्तित्व का आकलन करने हेतु विवश कर दिया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सवर्ण विरोधी प्रावधान में जिस प्रकार से सवर्णों के विरुद्ध मनमाने उत्पीड़नकारी मुकदमों की छूट प्रदान की गई है तथा बिना किसी जांच के सवर्णों का शैक्षिक, व्यक्तिगत व सामाजिक जीवन बर्बाद करने का अधिकार दलितों व पिछड़ों को प्रदान किया गया है, उसने भाजपा की सवर्णों के प्रति नीयत का खुलासा कर दिया है। सवर्णों के अंध समर्थन के चलते भाजपा स्वयं को विकल्हीन समझने की गलत फहमी पाले हुए है। ताज्जुब तो तब होता है, कि जब देश का साधन संपन्न प्रधानमंत्री स्वयं को अति पिछड़ा घोषित करने में लज्जा का अनुभव नहीं करता। अपने परिवार को अपने जातीय वोट बैंक के आधार पर संपन्न करने वाले भाजपा के वरिष्ठ नेता आरक्षण जैसे संवेदनशील मुद्दे पर नकारात्मक अभिव्यक्ति प्रदान करते हैं। प्रधानमंत्री, गृहमंत्री व जिम्मेदार भाजपाई गंभीर समस्या पर मौन साधकर सवर्णों पर फर्जी मुकदमों के प्रति धृतराष्ट्र बने हुए हैं। अब ऐसा लगता है, कि देश के लिए अपनी रियासतें दान देने वाले राजपूतों ने अपनी संपत्ति का दान करके, ब्राह्मणों व कायस्थों ने अपने ज्ञान से समाज में शिक्षा का परचम लहराकर तथा दानवीर भामाशाहों ने जनसाधारण के लिए कुएँ, बावड़ी, खुदवाकर व भोजन शालाएँ खोलकर बहुत बड़ा अपराध किया है तथा जिनके लिए यह व्यवस्था की, उनसे गाली खाने के लिए ही उन्होंने ऐसा किया है।

**ग्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर
जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530**

प्रान्तीय ब्यरो प्रमख : एल.एन. तवर, 9827781209

प्रान्तीय ब्यरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345

Email:shramsadhnagwl@gmail.com

ग्वालियर शिवपुरी से प्रकाशित

योगेश्वर के शाश्वत संदेश का वास्तविक उत्सव

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी : आस्था से आत्मबोध और जीवन प्रबंधन

हेमेन्द्र क्षीरसागर

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी केवल भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का पर्व नहीं, बल्कि भारतीय जीवन-दर्शन की उस विराट चेतना का उत्सव है, जो मनुष्य को धर्म, कर्म, प्रेम, विवेक, साहस और लोककल्याण का मार्ग दिखाती है। भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी को मनाया जाने वाला यह पर्व आध्यात्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक समरसता, नैतिक जीवन और व्यवहारिक बुद्धिमत्ता का भी संदेश देता है। श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व जितना आध्यात्मिक है, उतना ही व्यावहारिक भी। वे एक ओर योगेश्वर हैं तो दूसरी ओर मित्र, मार्गदर्शक, कूटनीतिज्ञ, कुशल नेतृत्वकर्ता और जनसामान्य के जीवन से गहराई से जुड़े लोकनायक भी हैं।

अंधकार में प्रकाश का संदेश

श्रीकृष्ण का जन्म कारागार में हुआ। चारों ओर भय, अत्याचार और अन्याय का वातावरण था, लेकिन उसी अंधकार के बीच आशा का प्रकाश प्रकट हुआ। यह प्रसंग हमें यह विश्वास देता है कि परिस्थितियां कितनी भी प्रतिकूल क्यों न हों, सत्य और धर्म की शक्ति अंततः अपना मार्ग बनाती है। आज जब समाज विभिन्न प्रकार की चुनौतियों, तनाव, अविश्वास और मूल्य-संकट से गुजर रहा है, तब जन्माष्टमी हमें निराशा के स्थान पर



आशा, भय के स्थान पर साहस और नकारात्मकता के स्थान पर सकारात्मक कर्म का संकल्प लेने की प्रेरणा देती है।

कर्म ही जीवन का आधार

भगवान् श्रीकृष्ण का सबसे व्यापक संदेश निष्काम कर्म है। श्रीमद्भगवद्गीता में वे अर्जुन को कर्म करने और फल की चिन्ता से मुक्त रहने का मार्ग बताते हैं। इसका अर्थ कर्म के परिणाम की उपेक्षा करना नहीं, बल्कि अपने कर्तव्य को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाना है। आज के जीवन में यह संदेश अत्यंत उपयोगी है। विद्यार्थी पढ़ाई में, किसान खेती में, कर्मचारी अपने दायित्व में, व्यापारी व्यवसाय में और जनप्रतिनिधि जनसेवा में यदि पूरी ईमानदारी से कर्म करें, तो

व्यक्तिगत सफलता के साथ समाज की प्रगति भी सुनिश्चित हो सकती है।

प्रेम और व्यवहार में संतुलन

श्रीकृष्ण का जीवन प्रेम की अनेक अभिव्यक्तियों से जुड़ा है। माता यशोदा का वात्सल्य, सखा-संबंधों की आत्मीयता, राधा-कृष्ण की प्रेम चेतना और सुदामा के साथ उनकी मित्रता-ये सभी रिश्तों की गरिमा और संवेदनशीलता का संदेश देते हैं। विशेष रूप से सुदामा प्रसंग आज के भौतिकतावादी समय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। सच्ची मित्रता पद, प्रतिष्ठा और संपत्ति नहीं देखती। श्रीकृष्ण ने सुदामा के प्रति जिस आत्मीयता का परिचय दिया, वह बताती है कि मनुष्य की वास्तविक समृद्धि उसके संबंधों

और संवेदनाओं में निहित होती है।

नेतृत्व की अद्भुत कला

श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व कुशल नेतृत्व का भी उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने परिस्थितियों के अनुसार रणनीति बनाई, संवाद को महत्व दिया और आवश्यकता पड़ने पर कठिन निर्णय लेने से भी पीछे नहीं हटे। महाभारत में उनका सबसे बड़ा योगदान केवल युद्ध की रणनीति नहीं, बल्कि धर्म और अधर्म के बीच स्पष्ट विवेक स्थापित करना था। आज सार्वजनिक जीवन, प्रशासन, सामाजिक संस्थाओं और परिवार तक—हर क्षेत्र में ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो लोकप्रिय होने के बजाय सही निर्णय लेने का साहस रखता हो।

तनावपूर्ण जीवन में गीता

आज मनुष्य के पास सुविधाएं बढ़ी हैं, लेकिन मानसिक शांति का संकट भी बढ़ा है। प्रतिस्पर्धा, अपेक्षाएं, असफलता का भय और भविष्य की चिंता जीवन को तनावपूर्ण बना रही है। ऐसे समय में श्रीकृष्ण का गीता संदेश मनुष्य को भीतर से स्थिर रहने की प्रेरणा देता है। परिस्थितियां हमारे नियंत्रण में हमेशा नहीं होतीं, लेकिन परिस्थितियों के प्रति हमारा दृष्टिकोण और हमारा कर्म हमारे हाथ में होता है। यही श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की सार्थकता है और योगेश्वर श्रीकृष्ण के शाश्वत संदेश का वास्तविक उत्सव भी।

क्यों चर्चा में है आईएस दिव्या मित्तल का इस्तीफा

मनोज कुमार अग्रवाल

कहा जाता है कि सितारों से आगे भी एक जहाँ होता है। संभवतः उत्तर प्रदेश कैडर की 2013 बैच की आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल अब ऐसे ही किसी मुकाम को छूने का मन बना चुकी हैं। दिव्या मित्तल ने बीते रविवार, 30 अगस्त 2026 को प्रशासनिक सेवा से इस्तीफा देकर सबको चौंका दिया। वर्तमान में वह राजस्व विभाग में विशेष सचिव के पद पर तैनात थीं। दिव्या मित्तल ने सोशल मीडिया पर लंबी पोस्ट लिखकर अपने इस्तीफे की जानकारी साझा की। इस्तीफे से सियासी गलियारों में भूचाल आ गया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने इस मामले में राज्यपाल को पत्र लिखकर अधिकारियों के सम्मान की रक्षा की मांग की है।

वैसे मिर्जापुर और देवरिया की जिलाधिकारी रह चुकीं दिव्या मित्तल अपने कार्यकाल और जनसरोकार से जुड़े कार्यों को लेकर चर्चा में रही हैं।

हमारे देश में यूपीएससी परीक्षा पास करने के लिए हर साल लाखों बच्चे तैयारी करते हैं। हर साल लगभग 11 से 13 लाख छात्र यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा के लिए आवेदन करते हैं। 2,500 से 3,000 छात्र साक्षात्कार के लिए चुने जाते हैं और अंत में लगभग 800 से 1,000 उम्मीदवारों का चयन अंतिम सूची में होता है। दर्जनों अभ्यर्थी हर साल इस



दिव्या मित्तल, 2013 बैच IAS

प्रतियोगी परीक्षा में असफल रहने पर अवसादग्रस्त होकर कई बार आत्महत्या तक कर लेते हैं। यह सब बताने का मकसद सिर्फ इतना है कि जिस भारतीय प्रशासनिक सेवा में शामिल होने के लिए करीब पंद्रह लाख युवा हर साल सपना देखते हैं, दिन-रात भूख-प्यास, त्योहार-उत्सव की चकाचौंध से किनारा कर सिर्फ एक नियुक्ति को जीवन का उद्देश्य बना लेते हैं, यदि उसी सेवा की एक अधिकारी, जिसकी 17 साल की सेवा बाकी हो और जिसे कई पदोन्नति मिल सकती है, पूरे होशो-हवास में 13 साल की सर्विस के बाद इस्तीफा दे दे तो इसे किस तरह देखा जाएगा?

आप जानते हैं कि सिर्फ शोहरत और दौलत हासिल कर लेना ही कई बार व्यक्ति को आत्मसंतुष्टि नहीं दे पाता। जिसे हासिल नहीं होता, वह उसे खोजने-पाने के लिए बेचैन रहता है, लेकिन जिसे हासिल हो जाता है, उसे वह कई बार मिथ्या नजर आता है।

दिव्या मित्तल

उत्तर प्रदेश के कई जिलों में जिलाधिकारी रह चुकी हैं। मई के पहले सप्ताह में उन्हें देवरिया के जिलाधिकारी पद से हटाकर राजस्व विभाग में तैनात किया गया था। डीएम पद से हटाए जाने के बाद उनकी कुछ सोशल मीडिया पोस्ट भी चर्चा में रही थीं। अब उनके इस्तीफे के बाद एक बार फिर उनकी कार्यशैली, पिछली तैनातियों और इस्तीफे की वजह को लेकर बहस शुरू हो गई है। फिलहाल इस्तीफे की असली वजह पर दिव्या मित्तल की ओर से कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है।

आईएएस दिव्या मित्तल मूल रूप से हरियाणा के रेवाड़ी की निवासी हैं, लेकिन उनका जन्म दिल्ली में हुआ। उनकी पढ़ाई भी दिल्ली में ही हुई। उन्होंने आईआईटी दिल्ली से बीटेक और आईआईएम बेंगलुरु से एमबीए किया। इसके बाद उनकी शादी हो गई। उनकी और उनके पति गगनदीप सिंह की लंदन में बहुत अच्छे पैकेज पर नौकरी लग गई थी, लेकिन देश-प्रेम के कारण वह वहां ज्यादा दिन नहीं रह पाईं।

पति-पत्नी ने इस्तीफा देकर लंदन से वापस लौटने का फैसला किया। दिव्या मित्तल के पति गगनदीप सिंह ने भी यूपीएससी कालीफाई किया और 2011 बैच के भारतीय व्यापार सेवा (ट्रुस्टड्रेड् टू इन्डस्ट्रीज स्टडीज़) अधिकारी के रूप में केंद्र सरकार में सेवा दी। उन्होंने वर्ष 2022 में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली थी। दोनों

का एजुकेशनल और प्रोफेशनल बैकग्राउंड बेहद प्रभावशाली रहा है।

हालांकि, दिव्या मित्तल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जनसेवक अंदाज में अपनी भावनाएं प्रकट कीं। उन्होंने लिखा, %आज मैंने 13 सालों की अविस्मरणीय यात्रा को अपनी इच्छा से विराम देते हुए आईएस से त्यागपत्र दे दिया है। साधारण परिवेश में पलते हुए मैंने एक अच्छे, सफल जीवन का सपना देखा था। दिन-रात एक कर आईआईटी दिल्ली और आईआईएम बेंगलुरु से पढ़ने के बाद लंदन में नौकरी लग गई। लेकिन सब कुछ पा लेने पर भी कुछ अधूरा था। अपने देश में न होना खलता था। मेरी पढ़ाई, आत्मविश्वास, दुनिया में कहीं भी सिर उठाकर चलने की ताकत, सब इस मिट्टी का कर्ज था मुझ पर।

वो कर्ज चुकाना था। आईएसएस अधिकारी ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा, %बहुत कुछ करने का मौका मिला और बहुत सीखा। देवरिया ने सिखाया कि बहुत के साथ खड़ा होना विकल्प नहीं, कर्तव्य है। मिर्जापुर ने सिखाया कि असंभव कोई तथ्य नहीं, बस एक राय है। और मां विंध्यवासिनी के चरणों में बैठकर सीखा कि शक्ति किसी पद से नहीं, उनकी कृपा और लोगों के विश्वास से आती है।% दिव्या मित्तल ने अपनी भावुकता भरी पोस्ट में लिखा, %मूर्ख थी जो सोचा था कि कुछ देने आई हूँ। सच यह है कि सबसे ज्यादा मैंने ही पाया है।

फिरौती के लिए युवक का अपहरण कर पहाड़ी क्षेत्र में बंधक बनाने वाले आरोपी को ग्वालियर पुलिस ने किया गिरफ्तार

ग्वालियर, जीएनएस।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह(भापुसे) के निर्देशानुसार जिले में गुमशुदा एवं अपहृत व्यक्तियों की दस्तयाबी हेतु प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। उक्त निर्देशों के परिपालन में अति. पुलिस अधीक्षक(मध्य/यातायात) श्री सुजावल जग्गा (भापुसे) द्वारा अपने अधीनस्थ थाना प्रभारियों को गुमशुदाओं एवं अपहृत व्यक्तियों की तलाश हेतु विशेष टीमें गठित कर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

घटना का संक्षिप्त विवरण:- फरियादिया रवीना कर्ण पत्नी वीरू

कर्ण, उम्र 30 वर्ष, निवासी तानसेन नगर ग्वालियर ने थाना ग्वालियर में रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 31.08.2026 को दोपहर करीब 12 बजे उसके पति वीरू कर्ण बिना बताए घर से कहीं चले गए हैं। उनका मोबाइल फोन भी बंद आ रहा है। आसपास एवं रिश्तेदारों में तलाश करने के बावजूद उनका कोई पता नहीं चला।

फरियादिया को आशंका थी कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसके पति को बहला-फुसलाकर अपहरण कर लिया गया है। फरियादिया की रिपोर्ट पर थाना ग्वालियर में अप0क्र0 457/26

धारा 140(3) बीएनएस का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए सीएसपी ग्वालियर श्री कृष्ण पाल सिंह के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी ग्वालियर निरीक्षक प्रशांत शर्मा द्वारा पुलिस टीम गठित कर अपहृत वीरू कर्ण की तलाश शुरू की गई। पुलिस टीम द्वारा आसपास के क्षेत्रों में तलाश करने के साथ ही घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए तथा मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। विवेचना के दौरान पुलिस टीम को आरोपियों द्वारा फिरौती की रकम के लिए उपलब्ध

कराए गए क्यूआर स्कैनर से संबंधित मोबाइल नंबर को लोकेशन के आधार पर महत्वपूर्ण सुराग प्राप्त हुए। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस टीम जिला शिवपुरी के थाना बैराड़ क्षेत्र अंतर्गत ग्राम लक्ष्मीपुरा पहुंची। तकनीकी जानकारी के आधार पर पुलिस टीम द्वारा संदेही अरूण बंजारा की तलाश की गई। जानकारी मिली कि गांव से करीब 4 किलोमीटर दूर पहाड़ी क्षेत्र में अपहृत युवक एवं आरोपियों के होने की संभावना है।

पुलिस टीम द्वारा रात्रि से सुबह तक लगातार पहाड़ी एवं आसपास के दुर्गम क्षेत्र में सर्चिंग

अभियान चलाया गया। लगातार सर्चिंग के दौरान पुलिस टीम को अपहृत वीरू कर्ण दस्तयाब हुआ। पूछताछ में अपहृत वीरू कर्ण ने बताया कि अरूण बंजारा एवं वरूण बंजारा द्वारा फिरौती की रकम वसूलने के उद्देश्य से उसका अपहरण किया गया था तथा उसके साथ मारपीट कर उसे बंधक बनाकर रखा गया था। अपहृत के बताए अनुसार पुलिस टीम द्वारा दोनों आरोपियों की तलाश पुनः शुरू की गई। पुलिस टीम ने पहाड़ी क्षेत्र में घेराबंदी कर आरोपी वरूण बंजारा को पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी द्वारा घटना में अपनी संलिप्तता

स्वीकार की गई। पुलिस द्वारा आरोपी को विधिवत गिरफ्तार किया गया। वहीं, भौगोलिक परिस्थितियों का फायदा उठाकर आरोपी अरूण बंजारा मौके से फरार हो गया, जिसकी पुलिस टीम द्वारा लगातार तलाश की जा रही है।

सराहनीय भूमिका- थाना प्रभारी ग्वालियर निरीक्षक प्रशांत शर्मा, उप निरी. अजय सिकरवार, सजिन अनूप भदौरिया, आर. नागर सिंह, आर. अशोक गुर्जर, आर. ब्रजकिशोर भदौरिया, आर.गिराज शर्मा, आर. हितेन्द्र शर्मा, आर. सत्येन्द्र धाकड़ की सराहनीय भूमिका रही।

बड़ी सूरमा कुंज में धूमधाम से सम्पन्न हुआ श्रीगौड़ीय वैष्णवाचार्य श्रीहरिदास महाराज का दस दिवसीय नित्य निकुंज गमन महोत्सव

(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी)

वृन्दावन। पत्थरपुरा स्थित श्रील कृष्णदास कविराज गोस्वामी पाद की भजन स्थली बड़ी सूरमा कुंज में चल रहा श्रीगौड़ीय वैष्णवाचार्य श्रीहरिदास महाराज का दस दिवसीय नित्य निकुंज गमन महोत्सव अत्यन्त श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर प्रातः काल सन्तों व भक्तों द्वारा श्रीहरि नाम संकीर्तन किया गया। साथ ही महंतों व महामण्डलेश्वरों का समाराधन हुआ।

महोत्सव में ब्रज रसिक संत श्रीमहंत प्रेमदास शास्त्री महाराज ने समस्त भक्तों-श्रद्धालुओं को अपने आशीर्वाचन देते हुए कहा कि हमारे पूज्य सद्गुरुदेव श्रीहरिदास महाराज परम् भजनानंदी व निस्पृह संत थे। उन्हें ब्रज वृन्दावन, सन्त, गौ व ब्रजवासियों से अनन्य प्रेम था। वे इन सभी में प्रभु का दर्शन करते थे। हम बड़भागी हैं, जो वे हमें सद्गुरुदेव के रूप में प्राप्त हुए।

प्रख्यात साहित्यकार -यूपी रत्न- डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने कहा कि निकुंजवासी श्रीगौड़ीय वैष्णवाचार्य श्रीहरिदास जी महाराज के संस्कार ब्रज रसिक संत श्रीमहंत प्रेमदास शास्त्री महाराज को

विरासत में मिले हैं। इसीलिए वे अत्यंत वीतराग, निस्पृह व असंपरक्त जीवन जी रहे हैं। वे न कभी श्रीधाम वृन्दावन से बाहर जाते हैं, न कभी पैरों में जूते-चप्पल पहनते हैं, न कभी किसी सवारी में बैठते हैं। रुपयों व पैसों को भी स्पर्श न करने का उन्होंने संकल्प लिया हुआ है। ऐसे संत आज के समय में कहीं हैं। उन जैसी पुण्यआत्माओं का तो अब युग ही समाप्त होता चला जा रहा है।

कार्यक्रम में महामंडलेश्वर स्वामी सच्चिदानंद शास्त्री महाराज, महामंडलेश्वर डॉ. आदित्यानंद गिरि महाराज, महंत सुन्दर दास महाराज, महंत जगन्नाथानंद महाराज, आचार्य जय किशोर गोस्वामी, महंत मोहिनी शरण महाराज, आचार्य भूति कृष्ण महाराज (श्रीशुकाचार्य पीठ), सन्त अनुज गोपाल शास्त्री, महंत गौर गोपाल दास महाराज, महंत परमेश्वर दास महाराज, महंत रसराज दास महाराज, सन्त अच्युतानंद दास शास्त्री महाराज, आचार्य गोपाल भैया महाराज, डॉ. राधाकांत शर्मा, सन्त माधव दास महाराज, बाबा सन्त दास महाराज, भागवताचार्य किशोरी चरण दास, परमानंद दास महाराज, हरिचरण दास महाराज, पण्डित द्वारिका प्रसाद आदि।

केंद्र सरकार की जन विरोधी नीतियों एवं बदलाव जरूरी है को लेकर 01,02,03 सितंबर को राष्ट्रीय स्तर पर जेल भरो आंदोलन की घोषणा

नई दिल्ली, जीएनएस।

बदलाव जरूरी है - के आवाहन को लेकर 01 सितम्बर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की विशाल आमसभा आयोजित हुई। इस आमसभा में मध्य प्रदेश सहित भारत के विभिन्न राज्यों में आए हजारों लोग शामिल हुए।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव कॉमरेड डी राजा ने अपने उद्घाटन भाषण में भारत में फासीवाद के गहराते खतरे और प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार की जन विरोधी नीतियों का उल्लेख किया और इसके खिलाफ आगामी 01,02 और 03 दिसम्बर को सारे देश में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा जेल भरो आन्दोलन करने की घोषणा की। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मध्य



प्रदेश राज्य कार्यकारिणी सदस्य कॉमरेड कौशल शर्मा एडवोकेट ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि आमसभा को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय सचिव और एटक की राष्ट्रीय महासचिव कॉमरेड अमरजीत कौर, राष्ट्रीय सचिव कॉमरेड गिरीश शर्मा, कॉमरेड ए नी राजा, कॉमरेड रामकृष्ण पांडा, कॉमरेड पी संदोष कुमार सांसद आदि ने संबोधित कर भाकपा और केन्द्र की फासीवादी सरकार के खिलाफ लामबंद होने का आवाहन

किया। इस विशाल आमसभा में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मध्य प्रदेश के राज्य सचिव कॉमरेड शैलेन्द्र शैली, राज्य सह सचिव कॉमरेड हरिद्वार सिंह, राज्य कंट्रोल कमीशन के अध्यक्ष कॉमरेड अरुण तिवारी, राज्य कार्यकारिणी सदस्य कॉमरेड कौशल शर्मा एडवोकेट, कॉमरेड संजीव राजपूत, कॉम संजय नामदेव, कॉमरेड रामसरोज कुशवाह, कॉमरेड जनक राठौर, कॉम शिवशंकर मौर्य, कॉम

प्रहलाद बैरागी, राज्य परिषद सदस्य कॉम अशोक पाठक, कॉमरेड रुद्रपाल यादव, कॉमरेड अजय राऊत, कॉम सुखलाल गोरे, कॉमरेड कैलाश सिंह राजपूत, कॉमरेड गया मिश्रा, कॉमरेड कैलाश कुशवाहा, कॉमरेड समर शाह, कॉमरेड राजकुमार और मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए कॉम शैलेश परमार, कॉम प्रकाश वर्मा, कॉम अनवर खान, कॉम आनंद ठाकुर, कॉम जालिम सिंह, कॉम उदय कौशल, कॉम अयाल खान, कॉम आदित्य परमार, कॉम मनोज बाथम, कॉम देशराज, कॉम उषा सिंह, कॉम राहुल भाई जी, आशीष भाईजी, एस एस शाक्य, शेर सिंह, लाखन सिंह रघुवंशी, जानकी बाई, विजय वर्मा, शहाबुद्दीन, जितेन्द्र रैकवार आदि शामिल हुए।

करवाई कर समस्याओं का निराकरण करें

सिटी सेंटर के पटेल नगर से गुजरती हुई गोविंदपुरी को जोड़ने वाली लगभग 1 से 2 कि.मी. की पूरी सड़क छोटे बड़े ढ़गड़े और सुधार के नाम पर किए गए ऊबड़-छाबड़ पेंच वर्क की भेंट चढ़ चुकी है। कारण साफ है

ग्वालियर निगम की खानापूर्ति सड़कों पर तब महसूस होती है जब कोई भी वाहन चालक इन मार्गों का इस्तेमाल करता है। सड़क पर इतनी परतें नजर आती हैं मानो सड़क नहीं सोनपापड़ी की मिठाई हो। दूसरी तरफ इस मार्ग का

यातायात अक्सर अवैध पार्किंग, सड़क से जुड़े भूमि निर्माण और ठेला चालकों से घिरा रहता है जिसके चलते 5 मिनट का रास्ता कई बार 30 मिनट में भी पार नहीं हो पाता। ग्वालियर निगम प्रशासन और यातायात प्रशासन में सुस्ती

सर्दी के मौसम से पहले ही आ चुकी है। निगम और यातायात प्रबंधन से यही आग्रह है कि अभी सर्दी दूर है आप भी इस सुस्ती से दूरी बना लीजिए और थोड़ी तत्परता दिखाते हुए करवाई कर समस्याओं का निराकरण करें।

बेटी का साफी से गला घोटकर हत्या करने वाले पिता को पुलिस ने किया गिरफ्तार

ग्वालियर, जीएनएस।

घटना का संक्षिप्त विवरण:- फरियादी कुनाल यादव निवासी ग्राम पतरियापुरा ने थाना पिछोर में रिपोर्ट लेख कराई कि दिनांक 31.08.2026 को पारिवारिक विवाद के चलते उसके पिता भगवान सिंह यादव एवं चाचा संतोष यादव द्वारा मेरी दो बहनों अन्नू उर्फ नंदिनी यादव एवं सलोनी यादव के साथ मारपीट एवं जान से मारने का प्रयास किया गया। घटना के दौरान अन्नू उर्फ नंदिनी यादव के साथ उनके द्वारा मारपीट कर उसके गले में

थाना पिछोर पुलिस की हत्या के आरोपी के खिलाफ त्वरित कार्यवाही

साफी डालकर गला घोटने से उसकी हालत गंभीर हो गई। वहीं सलोनी यादव का भी गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया गया तथा बीच-बचाव करने पहुंचे मनमोहन पाण्डे के साथ भी मारपीट की गई। घटना के बाद अन्नू उर्फ नंदिनी यादव एवं सलोनी यादव को उपचार हेतु अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों द्वारा जांच के उपरांत मेरी बहन अन्नू उर्फ नंदिनी यादव को मृत घोषित कर

दिया गया। सलोनी यादव एवं मनमोहन पाण्डे का उपचार जारी है। फरियादी की रिपोर्ट पर से थाना पिछोर में आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 181/26 धारा 103(1), 109, 115(2), 3(5) बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

उक्त घटना संज्ञान में आने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह, भापुसे द्वारा मामले को

गंभीरता से लेते हुए अति. पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्री जयराज कुबेर को थाना पिछोर पुलिस टीम से उक्त प्रकरण में वांछित आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार एसडीओपी डबरा श्री सौरभ कुमार के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी पिछोर उनि0 शिवम राजावत के नेतृत्व में टीम को फरार आरोपियों को पकड़ने हेतु लगाया गया।

दौराने विवेचना पुलिस टीम द्वारा आरोपियों की तलाश उनके छिपने के संभावित जगहों पर की गई तथा पुलिस द्वारा घटना के चंद घंटों में आरोपी भगवान सिंह यादव को कस्बा पिछोर से पकड़ लिया गया। पकड़े गये आरोपी से उक्त प्रकरण के संबंध में पूछताछ करने पर उसके द्वारा अपने भाई संतोष यादव के साथ मिलकर अपराध कारित करना स्वीकार किया। जिस पर से पुलिस द्वारा आरोपी भगवान सिंह को थाना पिछोर के अपराध सदर में विधिवत गिरफ्तार किया गया।

पकड़े गये आरोपी से उसके भाई संतोष यादव एवं प्रकरण के संबंध में विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपी:- भगवान सिंह यादव पुत्र सुरेश यादव निवासी ग्राम पतरियापुरा, पिछोर जिला ग्वालियर।

सराहनीय भूमिका- थाना प्रभारी पिछोर उनि0 शिवम राजावत, सजिन विनोद कुमार, प्र.आर0 उम्मेद सिंह, आर0 रमाशंकर गुर्जर, महेन्द्र पटवा, राकेश रावत, अमित तोमर की सराहनीय भूमिका रही।

नेपाल की बाढ़ ने खोली विकास मॉडल की भयावह तस्वीर

हिमालय में मौत की सुरंगें

प्रमोद भार्गव

हिमालय एक बार फिर कराह रहा है। नेपाल में आई भीषण बाढ़ और उसके बाद सुरंगों में फंसे लोगों की खबरों ने हिमालयी क्षेत्र में चल रही विकास परियोजनाओं के तौर-तरीकों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिन सुरंगों को आधुनिक विकास, बेहतर परिवहन और ऊर्जा सुरक्षा का प्रतीक माना जा रहा है, वही प्राकृतिक आपदा के समय लोगों के लिए जीवन और मृत्यु के बीच की दीवार बनती दिखाई दे रही हैं। नेपाल में जलविद्युत परियोजनाओं की सुरंगों में फंसे लोगों को निकालने के लिए भारत और चीन को राहत एवं बचाव अभियान चलाना पड़ा। यह स्थिति केवल एक देश की त्रासदी नहीं, बल्कि पूरे हिमालयी क्षेत्र में विकास की दिशा पर पुनर्विचार का संकेत है।

हिमालय दुनिया की सबसे युवा और संवेदनशील पर्वत श्रृंखलाओं में है। यहां की भौगोलिक संरचना सामान्य मैदानी इलाकों से बिल्कुल अलग है। भूकंप, भूस्खलन, बादल फटना, अचानक बाढ़ और भू-धंसाव जैसी घटनाएं यहां लगातार जोखिम पैदा करती हैं। इसके बावजूद सड़क, रेल, बांध, जलविद्युत परियोजनाओं और सुरंगों का निर्माण जिस तेजी से किया जा रहा

है, उसमें पर्यावरणीय संवेदनशीलता और स्थानीय परिस्थितियों को पर्याप्त महत्व दिए जाने पर सवाल उठते रहे हैं।

जोशीमठ ने पहले ही दे दी थी चेतावनी : उत्तराखंड का जोशीमठ भू-धंसाव इस संकट की गंभीर चेतावनी रहा है। जमीन में दरारें आने और मकानों के क्षतिग्रस्त होने के बाद बड़ी संख्या में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना पड़ा। विशेषज्ञों ने पहाड़ों की वहन क्षमता और निर्माण गतिविधियों के बीच संतुलन की आवश्यकता पर लगातार जोर दिया। इसके बावजूद हिमालयी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निर्माण का सिलसिला जारी है।

सुरंगों का निर्माण पहाड़ों को काटकर किया जाता है। इससे पहाड़ के भीतर की प्राकृतिक संरचना, जल निकासी व्यवस्था और भूगर्भीय संतुलन प्रभावित हो सकता है। जब ऐसी परियोजनाएं अत्यधिक दबाव के साथ आगे बढ़ती हैं तो प्राकृतिक आपदाओं के समय खतरा कई गुना बढ़ जाता है। सुरंग के भीतर पानी भरना, मलबा आना या रास्ता बंद होना राहत एवं बचाव कार्य को भी कठिन बना देता है।

विकास की कीमत कितनी? हिमालय में सड़क और रेल संपर्क बेहतर होना जरूरी है। दूरदराज के इलाकों तक स्वास्थ्य,



शिक्षा और रोजगार की सुविधाएं पहुंचाने के लिए परिवहन नेटवर्क का विस्तार भी आवश्यक है। लेकिन सवाल विकास के विरोध का नहीं, बल्कि विकास के तरीके का है।

ऋषिकेश-कण्ठप्रयाग रेल परियोजना जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं में लंबी सुरंगें बनाई जा रही हैं। रेल संपर्क से पहाड़ के लोगों को सुविधा मिलेगी और पर्यटन तथा आर्थिक गतिविधियों को गति मिल सकती है, लेकिन इसके साथ पर्यावरणीय जोखिम भी जुड़े हैं। पहाड़ों में सुरंग निर्माण के दौरान निकलने वाले मलबे का निस्तारण, जलस्रोतों पर प्रभाव और भूस्खलन की संभावनाएं ऐसे विषय हैं जिन पर लगातार निगरानी जरूरी है।

विकास परियोजना का मूल्यांकन केवल इस आधार पर

नहीं होना चाहिए कि उसने कितने किलोमीटर सड़क या रेल लाइन बनाई। यह भी देखना होगा कि उसके निर्माण और संचालन का पर्यावरण, जलस्रोतों, जंगलों और स्थानीय आबादी पर कितना प्रभाव पड़ा।

नदियों को जोड़ने की योजनाएं भी चुनौती : हिमालयी नदियां केवल जल का स्रोत नहीं हैं। वे अपने साथ विशाल पारिस्थितिक तंत्र लेकर चलती हैं। नदी जोड़ने जैसी बड़ी परियोजनाओं को लेकर भी यही सवाल उठता है कि प्राकृतिक जलप्रवाह में बड़े पैमाने पर हस्तक्षेप के दूरगामी परिणाम क्या होंगे।

नदियों का अपना प्राकृतिक प्रवाह, तलछट और जैव विविधता होती है। इसमें बड़े बदलाव से किसी एक क्षेत्र को तत्काल लाभ

मिल सकता है, लेकिन दूसरे क्षेत्र में बाढ़, जल संकट या पारिस्थितिक असंतुलन जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इसलिए ऐसी परियोजनाओं में दीर्घकालीन पर्यावरणीय प्रभावों का आकलन महज औपचारिक प्रक्रिया नहीं होना चाहिए।

चीन की परियोजनाएं बढ़ा रही चिंता : हिमालयी क्षेत्र में चीन की ओर से ब्रह्मपुत्र नदी पर प्रस्तावित विशाल बांध को लेकर भी भारत सहित पूरे क्षेत्र में चिंता व्यक्त की जाती रही है। हिमालय से निकलने वाली नदियां कई देशों के करोड़ों लोगों के जीवन और अर्थव्यवस्था से जुड़ी हैं। ऐसे में किसी भी देश की बड़ी जल परियोजना का प्रभाव उसकी सीमाओं तक सीमित नहीं रह सकता।

जल, जंगल और जमीन से जुड़े फैसलों में पड़ोसी देशों के हितों और स्थानीय समुदायों की चिंताओं को भी ध्यान में रखना होगा। हिमालय को केवल संसाधनों के भंडार के रूप में देखने की दृष्टि बदलनी होगी।

आपदा के बाद नहीं, निर्माण से पहले चेते : नेपाल की बाढ़ और सुरंगों में फंसे लोगों की घटना ने यह सवाल फिर सामने ला दिया है कि क्या हम प्राकृतिक आपदाओं के बाद राहत और बचाव पर अधिक निर्भर होते जा

रहे हैं, जबकि जरूरत निर्माण से पहले ही जोखिमों को समझने की है।

हिमालय में किसी परियोजना की सफलता का पैमाना केवल उसका समय पर पूरा होना नहीं हो सकता। यह भी देखना होगा कि वह परियोजना पहाड़ की प्राकृतिक संरचना के साथ कितना तालमेल बैठाती है। स्थानीय भूगर्भीय परिस्थितियों, जलस्रोतों, वर्षा के बदलते स्वरूप और संभावित आपदाओं को ध्यान में रखकर निर्माण किया जाना चाहिए।

हिमालय को जीतने की नहीं, समझने की जरूरत है। पहाड़ों की अपनी सीमाएं हैं और प्रकृति उन सीमाओं का उल्लंघन होने पर किसी न किसी रूप में जवाब देती है। यदि विकास की अंधी दौड़ में हमने इन संकेतों को नजरअंदाज किया तो आज जो सुरंगें विकास का रास्ता खोल रही हैं, वे कल किसी बड़ी आपदा में मौत की सुरंगें भी बन सकती हैं।

इसलिए समय की मांग है कि विकास और पर्यावरण के बीच टकराव पैदा करने के बजाय दोनों के बीच संतुलन बनाया जाए। हिमालय में विकास जरूर हो, लेकिन ऐसा विकास जो पहाड़ को बचाते हुए आगे बढ़े। क्योंकि पहाड़ बचेंगे, तभी वहां रहने वाले लोग, नदियां और हमारी आने वाली पीढ़ियां भी सुरक्षित रहेंगी।

तेजी से बदल रही है भारत की तस्वीर

भारत के सबसे बड़े औद्योगिक घरानों, टाटा, बिरला, रिलायंस, अडानी, आदि को अपना व्यवसायिक साम्राज्य खड़ा करने में दशकों लग गए थे। इन समूहों को अपनी सम्पत्ति को 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुंचाने में लगभग 30 वर्षों का समय लगा था परंतु आज के युवावर्ग द्वारा स्थापित की जा रही कम्पनियों को अपनी सम्पत्ति को 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंचाने में केवल 1 से 3 वर्ष का समय लग रहा है। भारत में समय बहुत तेजी से बदल रहा है और भारतीय युवा आज भारत की तस्वीर बदलने को उतावाले होते दिखाई दे रहे हैं। जून 2026 में एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) का व्यवसाय करने वाली सर्वम कम्पनी ने अपनी स्थापना के केवल 3 वर्ष के अंदर ही 150 करोड़ (1.5 बिलियन) अमेरिकी डॉलर की सम्पत्ति खड़ी कर ली है। इसी प्रकार, आज जेटो एवं मेन्सा नामक ब्राण्ड कुछ ही महीनों में व्यवसाय के उस स्तर को प्राप्त कर लेते हैं, जिसे हासिल करने में पुरानी बड़ी कम्पनियों को कई दशक लग गए थे। आज के समय में टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में स्थापित हो रही कम्पनियों की तुलना यदि इसी क्षेत्र में लगभग 20/25 वर्ष पूर्व स्थापित कम्पनियों से भी की जाय तो सम्पत्ति खड़ी करने के समय में

बहुत अंतर स्पष्ट दिखाई देता है। वर्ष 2000 में स्थापित कम्पनियों को यूनिकोन (100 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सम्पत्ति बनाना) बनने में लगभग 20 वर्ष से अधिक का समय लग रहा था, वहीं वर्ष 2020 में स्थापित कम्पनियों को यूनिकोन बनने में केवल एक वर्ष का समय लग रहा है। वित्तीय क्षेत्र में स्थापित की गई कम्पनियों को यूनिकोन बनने में 30 वर्ष का समय लगा है। वहीं मेन्सा ब्राण्ड जैसी कम्पनी को यूनिकोन बनने में केवल 6 माह का समय लगा है। बाजार वहीं है, परंतु समय तेजी से बदल रहा है। इस परिवर्तन में भारतीय युवाओं की प्रमुख भूमिका रही है। आज भारत में व्यावसायिक घराने/खानदान एवं अमीर लोग कहीं पीछे छूट गए हैं एवं युवा पीढ़ी तेजी से बिलिनायर की सूची में अपनी जगह बना रही है।

पिछले 5 वर्षों के दौरान भारत में एक लाख से अधिक नए स्टार्ट-अप स्थापित हुए हैं। आज भारत ने अपने आप को, अमेरिका एवं चीन के बाद, दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्ट-अप इको सिस्टम में स्थापित कर लिया है। भारत में आज अधिक से अधिक लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से उपभोक्ता उत्पादों को बढ़ावा देने वाले स्टार्ट अप बन रहे हैं। किराना उत्पादों से संबंधित ऐप अधिक संख्या में बनाए जा रहे हैं क्योंकि यूपीआई जैसा पेमेंट गेटवे

पूर्व से ही उपलब्ध है और भुगतान प्रणाली को अलग से विकसित करने की आवश्यकता ही नहीं है। साथ ही, 140 करोड़ नागरिकों का बायोमेट्रिक डाटा पहिले से ही सत्यापित है और यह उपभोक्ता उत्पादों से सम्बंधित ऐप बनाने वाले इंजीनियरों को उपलब्ध भी है। भारत में डिजिटल लाकर में 750 करोड़ से अधिक दस्तावेज जमा हो चुके हैं। सस्ता इंटरनेट डाटा उपलब्ध है एवं 90 करोड़ से अधिक भारतीय इंटरनेट का उपयोग कर रहे हैं। इन परिस्थितियों के बीच आज 20 वर्ष के युवा एंटरप्रेन्योर को व्यवसाय स्थापना के प्रथम दिवस से ही पूरा भारत उसके उत्पाद के बाजार के रूप में उपलब्ध है। उक्त कारकों के चलते ही वर्ष 2021 में भारत में 45 नए यूनिकोन विकसित हुए थे।

भारत के पास आज दुनिया के सबसे स्मार्ट एवं कुशल इंजीनियर तो हैं परंतु हमारे पास अपने गूगल, अपना यू ट्यूब एवं अपना फेस बुक नहीं हैं। क्योंकि, भारत में उच्च स्तर का तकनीकी नवाचार नहीं हो पा रहा है जिससे उच्च तकनीकी के ऐप भारत में कम बन रहे हैं। हालांकि, विकसित देशों में जो भी उच्च स्तर के तकनीकी नवाचार हो रहे हैं इनमें भारतीय इंजीनियरों की भी महती भूमिका रहती है। इसी कारण से भारतीय इंजीनियरों की विकसित देशों में भारी मांग है। भारतीय युवाओं को दिल्ली के जंतर

मंतर पर आंदोलन करने के स्थान पर भारत में उच्च तकनीकी के नवाचार करने की ओर पूरा ध्यान देना चाहिए। अब तो विकसित देश भी यह मानने लगे हैं कि वर्तमान सदी केवल भारत की है। कई विकसित देशों सहित चीन में जनसंख्या वृद्धि दर अब ऋणात्मक हो चुकी है। साथ ही, इन देशों में वृद्ध नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। पूरे विश्व में आज भारत एक युवा देश के रूप में उभर रहा है। अतः भारतीय युवाओं से न केवल भारत में आर्थिक विकास को गति देने बल्कि विश्व के अन्य कई देशों में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान देने की अपेक्षा की जा रही है। कई देशों ने तो अपनी संसद में प्रस्ताव पास करने के उपरांत भारत सरकार से भारतीय युवाओं को इन देशों में भेजने की मांग की है।

भारतीय युवा आज न केवल भारत में तेजी से यूनिकोन विकसित कर रहा है बल्कि आज भारतीय अन्य देशों में पहुंच कर अपने व्यापार का विस्तार भी कर रहे हैं, इसी कारण से आज प्रतिवर्ष भारत से लगभग 7 लाख नागरिक विभिन्न देशों में जाकर बस रहे हैं। श्री लक्ष्मी मितल ने ब्रिटेन में आरसेलोर स्टील कम्पनी खरीद ली है। यह कम्पनी पूर्व में बीमार कम्पनी की श्रेणी में शामिल थी परंतु मितल समूह ने इसे आज विश्व की सबसे बड़ी स्टील उत्पादक कम्पनी बना दिया है। इसी

प्रकार वर्ष 2008 में टाटा समूह ने जैवार एवं लैंड रोवर कम्पनी को खरीद लिया था। भारतीय मूल के नागरिक आज ब्रिटेन में जायदाद निवेशकों के क्षेत्र में सबसे बड़े निवेशक माने जा रहे हैं। यूरोप में आज भारतीय कम्पनियां सबसे अधिक राशि का निवेश करती हुई दिखाई दे रही हैं और यूरोपीयन कम्पनियों का अधिग्रहण कर रही हैं। अमेरिका में भी लगभग यही स्थिति है। अमेरिका में सबसे बड़ी एल्यूमिनियम उत्पादक कम्पनी को भारतीय ने खरीद लिया है। इसी प्रकार, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम, अडोबी जैसी बड़ी कम्पनियों को भारतीय मूल के नागरिक ही चला रहे हैं। भारतीय मूल के ही श्री अजय बांगा आज विश्व बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बन गए हैं। भारत में आज 15 लाख इंजीनियर प्रतिवर्ष बन रहे हैं। विश्व के लगभग समस्त देशों को आज भारतीय युवाओं की अत्यधिक आवश्यकता है। विशेष रूप से जापान एवं यूरोपीयन देशों में प्रौढ़ नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। चीन से आज कई देश दूर भाग रहे हैं क्योंकि चीन है, यदि कोई देश इस कर्ज का भुगतान समय पर नहीं कर पाता है तो चीन उस देश के संसाधनों पर अपना अधिकार जताने लगता है। इससे इन देशों के साथ चीन के सम्बंध अच्छे

नहीं रहे हैं। दूसरी ओर भारत में राजनैतिक स्थिरता है, जिसके चलते आज भारत के विश्व के लगभग समस्त देशों के साथ सौहार्दपूर्ण सम्बंध हैं। भारत आज विश्व के कई देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते सम्पन्न कर रहा है। आज स्थिति यह निर्मित हो रही है कि भारतीय यूनिकोन अमेरिकी कम्पनियों का अधिग्रहण करने की तैयारी कर रहे हैं। भारत आज जापान, इजराइल, रूस, यूई एवं अमेरिका जैसे देशों का रणनीतिक साझेदार है। साथ ही, भारत के सम्बंध अब चीन के साथ भी सामान्य हो रहे हैं। भारत आज वैश्विक दक्षिणी क्षेत्र की आवाज बन रहा है क्योंकि विश्व के कई देशों का अब चीन पर भरोसा नहीं रहा है। भारत आज जी-20 देशों के समूह का भी सदस्य है, तो जी-7 देशों के समूह एवं वैश्विक दक्षिणी क्षेत्र के बीच एक पुल का काम करता हुए भी दिखाई दे रहा है। भारत एससीओ का भी सदस्य है तो ब्रिक्स का भी सदस्य है। साथ ही, भारत क्राड का भी सदस्य है। इस प्रकार, भारत आज विश्व के लगभग समस्त महत्वपूर्ण समूहों का सदस्य है एवं भारत के विश्व के लगभग समस्त देशों के साथ बहुत अच्छे, सौहार्दपूर्ण, व्यावसायिक एवं व्यावहारिक सम्बंध हैं। इसी कारण से ही कुशल भारतीय युवाओं की मांग आज पूरे विश्व में कई देशों द्वारा की जा रही है।

माधवचौक हनुमान मंदिर से निकली कलश यात्रा, भक्ति में झूमे धर्मप्रेमी, जगह-जगह हुआ पुष्पवर्षा से स्वागत

ठेड़या परिवार द्वारा आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का हुआ भव्य शुभारंभ

शिवपुरी जीएनएस

शहर के समाजसेवी ठेड़या परिवार द्वारा आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का मंगलवार को भव्य शुभारंभ हुआ। कथा के प्रथम दिवस पर माधवचौक स्थित हनुमान मंदिर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जो विष्णु मंदिर होते हुए कथा स्थल बांकडे हनुमान मंदिर पहुंची। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी महिला-पुरुष शामिल हुए और पूरा मार्ग भक्तिमय वातावरण से सराबोर नजर आया। कलश यात्रा में कथा के मुख्य यजमान हरिशंकर-श्रीमती आशा अग्रवाल (ठेड़या) सिर पर श्रीमद्भागवत ग्रंथ धारण कर चल रहे थे। वहीं कथा आयोजक परिवार के हरिशंकर



अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल एवं अजीत अग्रवाल (ठेड़या) सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूरे मार्ग में कलश यात्रा के साथ शामिल हुए और पुण्य लाभ

अर्जित किया। कलश यात्रा के दौरान ढोल, नगाड़े और बैंड की संगीतमय धुनों पर श्रद्धालु भक्ति में झूमते नजर आए। विशेष रूप से महिलाएं एवं माता-बहनें भजनों पर

नृत्य करते हुए भक्ति की बयार में डूबी दिखाई दीं। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं एवं सामाजिक संगठनों द्वारा कलश यात्रा का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। कथा के प्रथम दिवस पर व्यासपीठ से महंत डॉ. गिरीश जी महाराज ने श्रीमद्भागवत कथा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को सच्चाई, भक्ति और संस्कारों की ओर ले जाने वाला दिव्य मार्गदर्शन है। कथा के श्रवण से मनुष्य को आध्यात्मिक शांति और जीवन को सही दिशा प्राप्त होती है।

कलश यात्रा में शामिल हुए समाजजन : इस अवसर पर कलश यात्रा में मध्यदेशीय



अग्रवाल समाज के पूर्व अध्यक्ष विष्णु गुप्ता (पिपरघार वाले), रामजी लाल बंसल, निर्मल गुप्ता (भटनावर वाले), समाजसेवी सुमत गुप्ता, पार्षद गौरव सिंघल, घनश्याम गुप्ता (तिगरी वाले), विकास गोयल, राजू गोयल सहित बड़ी संख्या में धर्मप्रेमीजन मौजूद रहे। कलश यात्रा में श्री बांकडे हनुमान मंदिर सेवा संस्थान

शिवपुरी के महंत एवं कथा वाचक डॉ. गिरीश जी महाराज बग्गी में सवार होकर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान करते हुए चल रहे थे। उनके दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। कलश यात्रा के मुख्य संयोजक एवं आयोजक मध्यदेशीय अग्रवाल समाज के पूर्व अध्यक्ष अजीत अग्रवाल (ठेड़या) रहे। यात्रा के कथा स्थल बांकडे हनुमान मंदिर पहुंचने के बाद विधिवत श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन बांकडे हनुमान मंदिर, शिवपुरी में किया जा रहा है, जिसमें प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

संस्कृति सप्ताह के तहत सेवा, संस्कार एवं सम्मान से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम किए आयोजित

भारत विकास परिषद शाखा विवेकानंद ने बालिकाओं का एनीमिया परीक्षण कर सिखाए आत्मरक्षा के गुर

शिवपुरी जीएनएस

भारत विकास परिषद शाखा विवेकानंद शिवपुरी द्वारा सांस्कृतिक सप्ताह के अंतर्गत शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कोर्ट रोड, शिवपुरी में सेवा, संस्कार एवं सम्मान से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दौरान कक्षा 9वीं से 12वीं तक की छात्राओं का एनीमिया परीक्षण किया गया। साथ ही छात्राओं को श्रीमती रिया तोंगर के द्वारा आत्मरक्षा के महत्वपूर्ण गुण एवं तकनीकें सिखाकर उन्हें आत्मनिर्भर एवं आत्मविश्वासी बनने के लिए प्रेरित किया गया। बालिकाओं के स्वास्थ्य एवं व्यक्तिगत स्वच्छता



को ध्यान में रखते हुए श्रीमती अल्पा सांखला की ओर से छात्राओं को सैनटरी पैड वितरित किए गए, जबकि रजनी भाभी जी की ओर से छात्राओं को फ्रूटी वितरित की गई। विद्यालय की प्राधिका श्रीमती प्रेमलता गुप्ता ने कार्यक्रम के आयोजन में विशेष सहयोग प्रदान किया। उनके

सहयोग, आत्मीयता एवं सकारात्मक सहभागिता के लिए भारत विकास परिषद की ओर से उन्हें भावनात्मक एवं आत्मीय सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रतिभाशाली छात्राओं का प्रतिभा सम्मान किया गया तथा उत्कृष्ट मार्गदर्शन एवं शिक्षा के लिए

विद्यालय के अध्यापकों का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के अध्यापकों तथा भारत विकास परिषद की महिला सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। बालिकाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षा, शिक्षा एवं प्रतिभा को प्रोत्साहित करने वाले इस आयोजन को सभी ने सराहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में आंशी बंसल, डॉली बंसल, अंकिता पारेख, सोमन जैन, रजनी गुप्ता, वर्षा गुप्ता, प्रियंका जैन, रिया तोंगर, रानी गोयल, अल्पा सांखला एवं संदीप जैन का विशेष सहयोग रहा। सभी के सहयोग एवं सहभागिता से सांस्कृतिक सप्ताह का यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

गौ एवं गौशाला उत्थान संघ की संगोष्ठी आयोजित, गौवंश की व्यवस्थाओं और सरकारी अनुदान पर हुई चर्चा

शिवपुरी जीएनएस

गौ एवं गौशाला उत्थान संघ मध्यप्रदेश शिवपुरी द्वारा संगोष्ठी एवं महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम विश्वकर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ जिला अध्यक्ष हरमीत सिंह सहित जिले के समस्त गौशाला संचालक एवं समिति के सदस्य मौजूद रहे। संगोष्ठी के दौरान गौवंश के संरक्षण, गौशालाओं की व्यवस्थाओं, चारा-पानी, रखरखाव एवं गौवंश की बेहतर देखभाल को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इसके साथ ही गौशालाओं को मिलने वाले सरकारी अनुदान तथा उसके संचालन से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में गौशाला संचालकों ने अपनी-अपनी समस्याओं और सुझावों को समिति के समक्ष रखा। संचालकों ने गौशालाओं के संचालन में आने वाली परेशानियों के निराकरण तथा व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने की बात कही। सभी सदस्यों ने गौवंश संरक्षण के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य करने पर जोर दिया। प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम विश्वकर्मा ने गौशाला संचालकों से गौवंश की सेवा और संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की अपील की। बैठक के अंत में समिति के आगामी कार्यों एवं गौशालाओं के उत्थान को लेकर भी चर्चा की गई।

अमृत भारत स्टेशन और पोहरी आरओबी का सिंधिया ने किया निरीक्षण

शिवपुरी जीएनएस

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री एवं शिवपुरी सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को शिवपुरी प्रवास के दौरान नवनिर्मित अमृत भारत रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके बाद निर्माणाधीन पोहरी रेलवे ओवर ब्रिज पहुंचकर निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी ली।

आधुनिक सुविधाओं से बदलेगा रेल यात्रा का अनुभव : सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में लोकार्पित शिवपुरी का अमृत भारत रेलवे स्टेशन आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। इससे शिवपुरी में रेल कनेक्टिविटी मजबूत होने के

साथ यात्रियों को बेहतर और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिलेगा। स्टेशन के आधुनिकीकरण से क्षेत्र के लोगों को रेल सुविधाओं का लाभ मिलने के साथ आवागमन भी आसान होगा।

पोहरी आरओबी से यातायात होगा सुगम : सिंधिया ने पोहरी रेलवे ओवर ब्रिज के निर्माण कार्य का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों से इसकी प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आरओबी के निर्माण से क्षेत्र में आवागमन अधिक सुगम और सुरक्षित होगा तथा यातायात व्यवस्था में भी सुधार आएगा। उन्होंने कहा कि शिवपुरी में अमृत भारत रेलवे स्टेशन और रेलवे ओवर ब्रिज जैसी परियोजनाएं केवल यातायात सुविधाओं तक सीमित नहीं हैं।

भजन-कीर्तन व अमृतवाणी के बीच याद किए कर्मचारी हितैषी कार्य और विचार कर्मचारी नेता एवं साहित्यकार स्व. मदन मोहन शर्मा 'शाही' की 40वीं पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

शिवपुरी जीएनएस

जिले के प्रसिद्ध कर्मचारी नेता एवं साहित्यकार स्व. मदन मोहन शर्मा 'शाही' की 40वीं पुण्यतिथि स्थानीय कोठी नं 14 स्थित कर्मचारी भवन में श्रद्धा एवं भावपूर्ण वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन प्रातः 7 बजे से भजन-कीर्तन एवं अमृतवाणी के साथ हुआ। इस दौरान उपस्थित महानुभावों ने स्व. शर्मा 'शाही' के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके कर्मचारी हितैषी कार्यों, विचारों एवं सामाजिक योगदान को भावपूर्वक याद किया। इस दौरान उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि कर्मचारी नेता



स्व. मदन मोहन शर्मा 'शाही' ने कर्मचारी हितों के लिए निरंतर आवाज उठाई और अपने विचारों एवं साहित्य के माध्यम से समाज को नई दिशा देने का कार्य किया। उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद करते हुए उपस्थितजनों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

सेवानिवृत्त वनपाल बैदेही चरण रावत का किया सम्मान श्रद्धांजलि कार्यक्रम के उपरांत वन विभागीय परिवार टाइगर रिजर्व से सेवानिवृत्त हुए वनपाल श्री बैदेही चरण रावत का हार-फूल मालाओं से स्वागत, वंदन एवं अभिनंदन किया गया।

उपस्थितजनों ने उनके सेवाकाल के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, सुखद एवं सफल आगामी जीवन की कामना की। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक प्रमोद भार्गव, डॉ. बी.के. शर्मा, कर्मचारी ट्रस्ट के जिलाध्यक्ष भार्गव, रघुवंशी, पेंशन यूनियन अध्यक्ष अशोक सक्सेना, कर्मचारी ट्रस्ट उपाध्यक्ष अमिताभ भार्गव, कपिल दुबे, ओमप्रकाश शर्मा, संजीव वर्मा, अनिल बनर्जी, बद्री पाल, प्रदीप कुमार एवं संभागीय अध्यक्ष मप्र वन कर्मचारी संघ दुर्गा प्रसाद ग्वाल सहित अनेक कर्मचारी, समाजसेवी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

लेखिका सलोनी विपुल कुमार
ठाकर पालनपुर गुजरात

एक सवाल है, जो शायद किसी ने पूछा नहीं। स्त्री ने घर से बाहर कदम रखा, नौकरी पाई, अपने फैसले खुद लेने शुरू किए फिर भी वह आजाद क्यों नहीं हुई? जवाब कहीं गहराई में छिपा है, ऐसी

जगह जहाँ हम देखना नहीं चाहते।

सदियों तक स्त्री से कहा गया है कि चुप रहो, सहन करो, त्याग करो, यही तुम्हारा धर्म है। वह मानती गई, क्योंकि इनकार करने की भाषा उसे सिखाई ही नहीं गई थी। फिर वक्त बदला। अब कहा जाने लगा बोलो, लड़ो, आगे बढ़ो, कुछ बनकर दिखाओ, प्रेरणा बनो। सुनने में यह आजादी लगती है। पर गौर से देखिए दोनों ही बार फैसला उसका नहीं था। पहले समाज तय करता था कि वह कैसे झुके, अब समाज तय करता है कि वह कैसे

उड़े। साँचा बदल गया, पर साँचे में ढलने की मजबूरी वही रही। यही वह सच है जिसे कोई कहना नहीं चाहता, आजादी भी एक नई कैद बन सकती है। जिस स्त्री ने खुद के लिए कुछ हासिल न करने का फैसला किया, जो थक कर बैठ गई, जो किसी की मिसाल नहीं बनना चाहती, बस एक साधारण, शांत जिंदगी जीना चाहती है वह भी आज अपराधबोध में जीती है। मानो वह अपनी माँ, अपनी दादी, अपनी पूरी पीढ़ी को निराश कर रही हो। पहले 'अच्छी बहू' के साँचे में ढलने का दबाव था, आज 'दुद्धश्च २२६६६ २२६६६' के साँचे में ढलने का दबाव है। दोनों ही बार स्त्री किसी और की उम्मीद पर जी रही है, बस उम्मीद का नाम बदल गया, बोझ नहीं गया। इस बोझ के पीछे एक और गहरी परत है, जिसे समझना और भी मुश्किल

आजादी का दूसरा पिंजरा...

है। स्त्री ने कभी खुद को अपनी आँखों से देखा ही नहीं। जन्म से उसे सिखाया गया कि वह कैसी दिखे, कैसे बैठे, कैसे हँसे, कैसे चले, कैसे बोले, उसे कैसा दिखना चाहिए। यह सिर्फ नियम नहीं थे यह एक ऐसा प्रशिक्षण था जिसने धीरे-धीरे उसकी अपनी नज़र को ही मिटा दिया। वह आईने में खुद को नहीं देखती, वह आईने में यह देखती है कि दुनिया उसे कैसे देख रही होगी। यह इतनी गहराई तक बैठ चुका है कि अब वह खुद भी नहीं जानती कि उसकी असली नज़र क्या है, क्योंकि उसे वह नज़र इस्तेमाल करने का मौका ही कभी नहीं मिला। इसीलिए असली आजादी करियर में नहीं है, पैसे में नहीं है, किसी पद या उपलब्धि में नहीं है। उसकी असली आजादी उस एक पल में है जब स्त्री पहली बार खुद को अपनी आँखों से देखती है

बिना यह सोचे कि कोई उसे कैसे देख रहा है, बिना यह नापे कि वह किसी की उम्मीद पर कितनी खरी उतरी। और अजीब बात यह है कि यह पल किसी बड़ी उपलब्धि के मंच पर नहीं आता। यह अक्सर तब आता है जब वह बिल्कुल अकेली होती है, जब कोई देख नहीं रहा होता, जब तालियाँ बजाने वाला कोई नहीं होता। अब एक और बात, जो और भी कम कही गई है हमने स्त्री के दर्द को इतना असलियत से ज़्यादा बढ़ा कर दिया है कि वह खुद एक नई जंजीर बन गया है। हर स्त्री की कहानी को हम 'संघर्ष' की कहानी बनाकर पेश करते हैं, कितना सहा, कितना रोई, फिर भी मुस्कुराई। यह वाक्य सुनने में तारीफ लगता है, पर असल में यह एक शर्त बन गई है। मानो बिना आँसुओं के, बिना तकलीफ के उसकी कहानी अधूरी हो, मानो उसे

सम्मान पाने के लिए पहले दुख का प्रमाण देना ज़रूरी हो। हम स्त्री के दर्द को खूबसूरत बनाकर परोसते हैं, और इस तरह उससे यह उम्मीद पाल लेते हैं कि उसे तकलीफ सहनी ही होगी, तभी वह सराही जाएगी। असली सम्मान वहाँ होगा, जहाँ स्त्री की कहानी बिना संघर्ष के, बिना बलिदान के, सिर्फ उसकी अपनी इच्छा से भी उतनी ही सम्मानजनक मानी जाए।

और अंत में वह बात, जो शायद सबसे गहरी है, हम स्त्री की ताकत की बात बहुत करते हैं, उसकी थकान की बात कोई नहीं करता। हर स्त्री से उम्मीद की जाती है कि वह हर भूमिका में परफेक्ट हो, माँ भी, बेटी भी, पत्नी भी, कर्मचारी भी, दोस्त भी, और यह सब एक साथ हमेशा मुस्कुराते हुए। कोई नहीं पूछता कि रात को जब घर के सारे काम खत्म हो जाते हैं, जब सब सो

जाते हैं, तो उसके अंदर क्या बचता है। 'माँ तो थकती ही नहीं', 'औरत तो सब सम्भाल लेती है' यह जो आकर्षक और प्रेरणादायक तारीफ की तरह कहे जाते हैं, यही सबसे भारी बोझ हैं। क्योंकि इन्होंने स्त्री को यह सिखा दिया है कि थकना भी एक तरह का गुनाह है। तो फिर असली उत्थान क्या है? शायद यह किसी मंच पर चढ़ना नहीं है, किसी को प्रेरित करना नहीं है, किसी मिसाल में ढलना नहीं है। शायद असली उत्थान वह पल है जब एक स्त्री, बिना किसी वजह के, बिना किसी को जवाब दिए, बस अपने लिए जीने का साहस करती है चाहे वह साहस किसी बड़ी उपलब्धि में दिखे या सिर्फ एक शाम में, जब वह अपने लिए एक कप चाय बनाकर, बिना किसी अपराधबोध के, चुपचाप बैठ जाती है। शायद यही वह जगह है जहाँ से असली आजादी शुरू होती है, जहाँ कोई तालियाँ नहीं बजती, कोई देख नहीं रहा होता, और स्त्री पहली बार सिर्फ खुद के लिए होती है।

एसपी ने दी सेवानिवृत्ति पुलिस जवानों को विदाई

गुना, जीएनएस।
पुलिस विभाग से सेवानिवृत्ति पर पुलिस कर्मचारियों को ससम्मान भावभीनी विदाई दी। पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त होने वाले सहायक उपनिरीक्षक केदार सिंह सगर, सहायक उपनिरीक्षक भानुप्रताप रघुवंशी एवं प्रधान आरक्षक रामस्वरूप मीना को एसपी हितिका वासल द्वारा उनके परिजनों की मौजूदगी में सम्मान पूर्वक भावभीनी विदाई दी गई। विदाई समारोह में पुलिस अधीक्षक श्रीमती वासल के साथ एसपी प्रशांत सिंह सुमन, रक्षित निरीक्षक पूजा उपाध्याय, मुख्य लिपिक उर्नि(अ) अमित मौर्य आदि अधिकारियों सहित पुलिस के अन्य अधिकारीगण व स्टाफ मौजूद रहे। इस दौरान पुलिस अधीक्षक श्रीमती हितिका वासल के द्वारा



सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों के उत्कृष्ट, कर्तव्यनिष्ठ, अनुशासित एवं जिम्मेदाराना सेवाकाल की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दीं गईं। इसी क्रम में उपस्थित पुलिस अधिकारियों द्वारा सेवानिवृत्त अधिकारियों का पुष्प मालाओं एवं पुष्प गुच्छ के साथ सम्मानपूर्वक अभिनंदन किया गया तथा पुलिस अधीक्षक श्रीमती वासल द्वारा उन्हें ट्रालीबैग, श्रीफल,

प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिह्न (शील्ड) एवं पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया। सेवानिवृत्त अधिकारियों ने अपने संबोधन में सेवाकाल के दौरान पूर्ण सहयोग और समर्थन के लिए पुलिस के सभी अधिकारियों एवं सहकर्मियों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा साथ मिलकर किए गए सेवा कार्यों को यादगार बताते हुए भावात्मक उद्भार व्यक्त किए।

जिला स्तरीय जनसुनवाई में आए 160 आवेदन, संबंधित अधिकारियों को निराकरण के दिये निर्देश

गुना, जीएनएस।
शासन के निर्देशानुसार मंगलवार को जिला कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने आमजन की समस्याएं गंभीरता से सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में सीमांकन, बिजली, पेंशन, नगरपालिका, स्वास्थ्य, नामांतरण सहित विभिन्न विषयों से संबंधित 160 आवेदन प्राप्त हुए।

राजस्व एवं पंचायत विभाग की संयुक्त व्यवस्था के चलते कई मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया। जनसुनवाई में राजस्व अधिकारियों एवं पंचायत विभाग की पूरी टीम को संयुक्त रूप से बैठाया गया, ताकि दोनों विभागों से



संबंधित शिकायतों का तत्काल निराकरण किया जा सके। जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों के परीक्षण उपरांत संवेदनशीलता एवं मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से ज़रूरतमंद हितग्राहियों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। तहसील आरोन निवासी पंकज कसेरा द्वारा अपनी माता के उपचार के लिए आर्थिक सहायता की मांग की गई

थी। इसी प्रकार तहसील मक्सूदनगढ़ निवासी रोडजी पुत्र जगन्नाथ सोदिया द्वारा उपचार के लिए आर्थिक सहायता की मांग की गई थी। कलेक्टर द्वारा उक्त दोनों आवेदनों पर संवेदनशीलतापूर्वक विचार करते हुए रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से संबंधित हितग्राहियों को 10-10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत कर चेक प्रदान किए गए।

आधी रात वन भूमि पर ट्रैक्टर से हो रही थी जुताई, वन अमले ने ट्रैक्टर-प्लाऊ किया जब्त

शिवपुरी, जीएनएस।
वन भूमि पर अवैध अतिक्रमण की कोशिशों के खिलाफ सतनबाड़ा वन परिक्षेत्र में वन विभाग ने देर रात कार्रवाई करते हुए एक ट्रैक्टर मय प्लाऊ जब्त किया है। बताया गया है कि कलोथरा बीट क्षेत्र में रात्रि के समय वन भूमि पर ट्रैक्टर से हकाई-जुताई की जा रही थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, वन विभाग को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कलोथरा बीट में कुछ लोगों द्वारा वन क्षेत्र की भूमि पर अवैध रूप से जुताई कर अतिक्रमण की तैयारी की जा रही है। सूचना मिलते ही वन अमला आधी रात को मौके पर पहुंचा। वनकर्मियों को आते देख वहां मौजूद लोग मौके से भाग निकले, जबकि जुताई में प्रयुक्त एक ट्रैक्टर एवं प्लाऊ को वन अमले ने अपने कब्जे में ले लिया।

वन विभाग के अनुसार, वन क्षेत्र में अवैध रूप से अतिक्रमण करने के उद्देश्य से हकाई-जुताई



किए जाने के मामले में ट्रैक्टर मय प्लाऊ को जब्त कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई में संतोष शर्मा, परिक्षेत्र सहायक सुभाषपुरा, राजेश शर्मा, परिक्षेत्र सहायक बम्हारी, विक्रांत पाठक, प्रदीप राजावत, गिरीश कांकर, गिरजेश भार्गव, मनोज जाटव सहित वन विभाग का अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

वन भूमि पर अतिक्रमण रोकने की दिशा में अहम कदम

वन क्षेत्र में रात के समय की जा रही जुताई के खिलाफ वन अमले की यह कार्रवाई महत्वपूर्ण मानी जा रही है। वन भूमि पर अतिक्रमण की शुरुआत अक्सर

जुताई और भूमि को कृषि उपयोग में लेने से होती है। ऐसे में समय रहते कार्रवाई होने से अतिक्रमण की कोशिशों पर अंकुश लगाया जा सकता है।

स्थानीय स्तर पर वन विभाग की इस कार्रवाई को साहसिक कदम माना जा रहा है। वन भूमि को अतिक्रमण से बचाने के लिए लगातार निगरानी और सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। इस तरह की कार्रवाई से वन भूमि पर कब्जे की कोशिश करने वाले अतिक्रमणकारियों और कथित भू-माफिया तत्वों में भी कानून का भय पैदा होने की उम्मीद है।

सम्मान समारोह आयोजित किया

विकास भवन के सभागार में मुख्य विकास अधिकारी श्री शेषनाथ चौहान की अध्यक्षता में जिला ग्राम्य विकास अभिकरण के सहायक अभियंता श्री संदीप तिवारी के 41 वर्षों के उत्कृष्ट एवं समर्पित सराहनीय शासकीय सेवा पूर्ण होने पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि श्री संदीप तिवारी ने अपने सेवाकाल में पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ दायित्व निर्वहन किया। उनके रहने से विकास परिवार तकनीकी मामलों में निश्चित होकर रहा। सेवानिवृत्ति

मात्र शासकीय सेवा से निवृत्ति है लेकिन सामाजिक दायित्वों से निवृत्ति नहीं है। परियोजना निदेशक श्री अतिरंजन सिंह ने कहा कि सहायक अभियंता श्री तिवारी जी को प्रशासन द्वारा जो भी कार्य सौंपा गया उन्होंने बड़ी जिम्मेदारी से उसे निभाया चाहे वह प्रभारी मंत्री या नॉडल अधिकारी का भ्रमण रहा हो। उपायुक्त श्री रमेश कुमार यादव ने कहा कि शासकीय सेवा में किसी भी अधिकारी या कर्मचारी का विनम्र व्यवहार, समयबद्धता व ईमानदारी उसकी सबसे बड़ी पहचान होती है और यह श्री तिवारी के कार्यों में परिलक्षित होता है।

सेवानिवृत्त सहायक अभियंता श्री संदीप तिवारी ने कहा कि उनके लम्बे कार्यकाल के दौरान उन्हें सभी अधिकारियों व सहकर्मियों सभी अधीनस्थों का भरपूर सहयोग मिला जिस कारण उन्हें अपने दायित्व निर्वहन को संपादित कर पाये। सेवाकाल में प्राप्त अनुभवों के साथ मिले स्नेह को उन्होंने जीवन की अनमोल धरोहर बताया।

सम्मान समारोह में उपस्थित विभिन्न विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों ने सेवानिवृत्त सहायक अभियंता श्री तिवारी को प्रतीक चिह्न, शॉल, श्रीफल और पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया।

श्री अचलेश्वर महादेव मंदिर में 4 सितंबर को धूमधाम से मनाया जाएगा श्री कृष्ण जन्मोत्सव महापर्व

ग्वालियर, जीएनएस।
श्री अचलेश्वर महादेव मंदिर में हर वर्ष की भांती इस वर्ष भी श्री कृष्ण जन्मोत्सव में 56 भोग, फूलबंगला, भजन संध्या, दही हांडी, महारास गरबा डांडिया और सबसे विशेष अचलनाथ भगवान जी का श्री कृष्ण बाल स्वरूप के रूप में दर्शन होगा। आकर्षक विद्युत सजावट अचलेश्वर मंदिर से सनातन धर्म मंदिर रोड पर की जाएगी। मध्यरात्रि ठीक 12:00 बजे भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव, विशेष पूजन एवं महाअभिषेक संपन्न होगा ढोल नगाड़े एवं आतिशबाजी के साथ। दर्शनार्थियों के लिए 56

भोग महाप्रसाद वितरण की जाएगी। कावेरी वेलफेयर फाउंडेशन के तत्वावधान में निकी पब्लिक स्कूल के बच्चों द्वारा भव्य दही हांडी कार्यक्रम एवं मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। एवं अचलेश्वर युवा भक्त मंडल द्वारा व्यवस्थाएं की जाएंगी।

सड़क दुर्घटना में घायल महिला का जीएमसी दतिया के दंत विभाग में हुआ सफल उपचार

दतिया, जीएनएस।
सड़क दुर्घटना में घायल एक महिला मरीज का शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, दतिया के दंत विभाग में सफलता पूर्वक उपचार किया गया।
मरीज 30 अगस्त को उनाव रोड, दतिया के समीप एक पशु के बाइक से टकराने के कारण सड़क पर गिरकर घायल हो गई थी।
दुर्घटना के बाद मरीज के चेहरे पर कई स्थानों पर चोट एवं खरोंच के निशान तथा मुंह के अंदर होंठ की श्लेष्मा (Labial mucosa) में गहरा घाव था। मरीज की जांच दंत विभाग की

टीम द्वारा की गई, जिसमें विभागाध्यक्ष डॉ. लक्ष्मण कैरा, सीनियर रेजिडेंट डॉ. अंकिता गर्ग एवं जूनियर रेजिडेंट डॉ. आकांक्षा मरकाम शामिल रहे। चोट की गंभीरता का आकलन करने के लिए एक्स रे की सलाह दी गई। जांच में किसी प्रकार का displaced fracture नहीं पाया गया। ऊपरी आगे के दांतों में हल्की गतिशीलता पाई गई, जबकि निचले आगे के एक दांत में फ्रैक्चर था।
मरीज की स्थिति एवं जांच के आधार पर मुंह के अंदर के घाव की स्थानीय एनेस्थीसिया के

अंतर्गत टांके लगाकर मरम्मत की गई तथा क्षतिग्रस्त हड्डी को उचित रूप से पुनर्स्थापित किया गया। ऊपरी आगे के हिल रहे दांतों की की गई, जिससे दांतों को स्थिरता प्रदान करने के साथ-साथ मरीज की दंत एवं चेहरे की सौंदर्यात्मकता को भी बनाए रखा जा सका।
उपचार के बाद मरीज ने संतोष व्यक्त करते हुए दंत विभाग की पूरी टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। मरीज ने विशेष रूप से डीन डॉ. दीपक मरावी एवं मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. सचिन यादव का धन्यवाद किया कि

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, दतिया में बेहतर दंत चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होने से उन्हें समय पर उपचार प्राप्त हुआ और उपचार के लिए उच्च चिकित्सा केंद्र जाने की आवश्यकता नहीं पड़ी। दंत विभाग की टीम ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में चेहरे एवं दांतों की चोटों का समय पर परीक्षण एवं उपचार अत्यंत महत्वपूर्ण है। जीएमसी दतिया में उपलब्ध दंत चिकित्सा सुविधाओं के माध्यम से मरीजों को स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है।



वृक्षारोपण से पर्यावरण संरक्षण और हरियाली का दिया संदेश

ग्वालियर, जीएनएस।
जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंगलवार को सेशन हाउस, जिला न्यायालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री ललित किशोर की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में जिला न्यायालय में पदस्थ सभी न्यायाधीशों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान विशेष

न्यायाधीश (एट्रोसिटीज) श्री नवीन शर्मा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री प्रशांत पाण्डेय, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री पुष्पेन्द्र सिंह सहित अन्य न्यायाधीशों ने पौधरोपण किया। इस अवसर पर पर्यावरण को स्वच्छ, सुंदर और प्रदूषणमुक्त बनाए रखने के लिए लगाए गए पौधों की उचित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प भी लिया गया। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और अधिक से अधिक पौधे लगाने का संदेश दिया गया।

रास-जेबी स्कूल के विद्यार्थियों ने किया सुप्रीम इंडस्ट्रीज का औद्योगिक भ्रमण

दतिया, जीएनएस।
रास-जेबी पब्लिक स्कूल, दतिया के विद्यार्थियों के एक दल ने बुधवार को मालनपुर, ग्वालियर स्थित सुप्रीम इंडस्ट्रीज का शैक्षणिक एवं औद्योगिक भ्रमण किया। भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को उद्योग जगत की कार्यप्रणाली, उत्पादन प्रक्रिया तथा रोजगार एवं करियर की संभावनाओं से परिचित कराना था। कार्यक्रम का आयोजन स्किल एजुकेशन एक्टिविटी के अंतर्गत किया गया।
भ्रमण के दौरान विद्यार्थी सर्वप्रथम कंपनी के नॉलेज सेंटर पहुँचे, जहाँ कंपनी के प्रतिनिधियों ने उन्हें कंपनी के कार्यक्षेत्र एवं विभिन्न उत्पादों की विस्तृत जानकारी दी।



विद्यार्थियों ने घरेलू एवं औद्योगिक उपयोग में आने वाले प्लास्टिक पाइप, टैंक, विभिन्न प्रकार की प्लास्टिक फिटिंग सहित अनेक उत्पादों के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसके बाद विद्यार्थियों ने उत्पादन इकाई का भ्रमण कर कच्चे माल से तैयार उत्पाद बनने तक की पूरी प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखा।

विभिन्न यूनिट के प्रभारियों ने विद्यार्थियों को उत्पादन के अलग-अलग चरणों की जानकारी दी। विद्यार्थियों ने ब्रांडिंग, पैकेजिंग, प्रोसेसिंग, मार्केटिंग तथा क्वालिटी कंट्रोल की प्रक्रिया को भी समझा। क्वालिटी कंट्रोल लैबोरेटरी में विद्यार्थियों को उत्पादों की गुणवत्ता जाँच एवं परीक्षण की प्रक्रिया के बारे

में जानकारी दी गई। औद्योगिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र कंपनी के जनरल मैनेजर श्री संतोष काव्या का विद्यार्थियों से संवाद रहा। श्री काव्या ने विद्यार्थियों को उनके भविष्य एवं करियर को लेकर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया तथा उद्योग जगत में अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार, इस प्रकार के औद्योगिक भ्रमण विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ व्यावहारिक एवं वास्तविक कार्य अनुभव प्रदान करते हैं तथा उन्हें भविष्य में करियर के सही विकल्प चुनने में सहायता करते हैं।

भाजपा ने दतिया का उप चुनाव जीतने के लिए दिए थे झूठे आश्वासन- घनश्याम सिंह विधायक

दतिया, जीएनएस।
दतिया का उप चुनाव जीतने के लिए भाजपा के सत्ता व संगठन ने जनता से कई झूठे वादे किए। जिंगना ग्राम में सिचाई मंत्री ने तालाब के जीर्णोद्धार की बड़ी घोषणा की, जो चुनावी जुमला साबित हो रही है। यह विचार दतिया विधायक घनश्याम सिंह ने मंगलवार को बसई क्षेत्र के ग्राम हमीरपुर, ठकुरपुरा, सतलोनी, जेतपुरा, बरधुबा, ककोड़ा, मुड़रा, पराखेड़ा आदि गांवों में आयोजित आभार सभा में उपस्थित ग्रामीण जनों को संबोधित कर व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि उप

बसई क्षेत्र गांवों में विधायक घनश्याम सिंह ने की आभार सभाएं



चुनाव में भाजपा संगठन और भाजपा सरकार ने मतदाताओं को

कई तरह के प्रलोभन दिए, दबाव बनाया पर जनता से मुझे समर्थन

मिला। मैं आपका हृदय से आभारी हूँ। उन्होंने कहा कि आपके सहयोग से मिली ताकत को मैं जनहित और आमजन को न्याय दिलाने में पूरी ताकत से उपयोग करूंगा। इस अवसर पर दतिया महाराजा अरुणादित्य देव, डॉक्टर सरनाम सिंह राजपूत, अशोक दांगी पूर्व जनपद अध्यक्ष, प्रताप यादव पूर्व सरपंच, जिला कांग्रेस महासचिव आनंद शर्मा, वनमाली पाल, दीपेंद्र पुरोहित, सुरेश अहिरवार, केपी यादव, संतोष चौबे, नीरज शर्मा आदि उपस्थित रहे।

अपने कर्तव्य के प्रतिह्व हमेशा सजग रहे मिश्रा : अरुणादित्य देव



दतिया, जीएनएस।
अपने कर्तव्य के प्रति हमेशा सजग एवं समर्पित कर्मचारी रहे श्री मिश्रा। यह विचार दतिया महाराजा अरुणादित्य देव ने मंगलवार को बसई के ग्राम बरधुबा में पंचायत सचिव पद से सेवानिवृत्त हुए धनीराम मिश्रा जी की विदाई समारोह में उपस्थित जन समुदाय को संबोधित कर व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत बरधुबा में पंचायत सचिव रहते हुए उन्होंने आमजन तक शासन की कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित कराया। इस अवसर पर श्री जूदेव ने

श्री धनीराम मिश्रा जी को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान श्री जूदेव का कार्यक्रम आयोजन समिति के सदस्यों ने फूल मालाएँ पहनाकर आतिथ्य स्वागत किया। कार्यक्रम में दतिया विधायक घनश्याम सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर प्रमुख रूप में पूर्व जनपद सदस्य मूलचन्द्र मिश्रा, वरिष्ठ नेता अवधेश नायक, पिछरे विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी रहे अरविंद लोधी, लोधी महासभा के जिलाध्यक्ष डॉ सरनाम सिंह लोधी, अशोक दांगी पूर्व जनपद अध्यक्ष, आनंद शर्मा, महासचिव जिला कांग्रेस, वनमाली पाल, प्रताप यादव पूर्व सरपंच, दीपेंद्र पुरोहित, केपी यादव, सुरेश अहिरवार, संतोष चौबे, नीरज शर्मा आदि उपस्थित रहे।

गोबर नाली में बहाने पर भैंस डेयरी संचालकों से वसूला जुर्माना

ग्वालियर, जीएनएस।
शहर स्वच्छ व साफ रहे इसलिए गंदगी फैलाने वालों, अमानक पॉलीथिन, गोबर नालियों में बहाने वालों एवं भवन सामग्री सड़क पर डालने वालों पर निगम द्वारा निरंतर कार्रवाई की जा रही है। निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ जुर्माने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। जिसके तहत आज स्वच्छता टास्क फोर्स टीम द्वारा वार्ड क्रमांक 29 गायत्री विहार कॉलोनी का निरीक्षण



किया गया एवं निरीक्षण के दौरान गायत्री विहार में भैंस डेयरी संचालकों द्वारा सीवर लाइन में गोबर बाहर जा रहा था तभी मौके स्थल पर मौके डेयरी संचालकों को

समझाए दी गई अन्यथा ऐसी स्थिति पाई गई तो आपके ऊपर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी एवं जुर्माना भी लगाया जाएगा। इसके ही उपरांत पिंटू पार्क स्थित द रॉयल क्लास होटल पर भी निरीक्षण किया गया होटल पर निरीक्षण के दौरान पाया गया कि होटल संचालक द्वारा भी होटल किचन बेस्ट सीवर लाइन में बहाया जा रहा था तभी संचालक पर

2000 का जुर्माना लगाया गया। इस कार्रवाई में मुख्य रूप से उपस्थित स्वच्छता टास्क फोर्स प्रभारी श्री सोनू दादोरिया, जेडएचओ एवं डब्ल्यूएचओ उपस्थित रहे। इसके साथ ही स्वास्थ्य अधिकारी किशोर चौहान के निर्देशन में वार्ड 54 में भैंस डेयरी वालों पर गंदगी फैलाने पर 2000 रुपये का जुर्माना वसूला गया। कार्यवाही के दौरान सहायक स्वास्थ्य अधिकारी श्री रामचंद्र धौलपुरिया, डब्ल्यूएचओ श्री अर्जुन उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक

श्रमसाधना

आपकी दुःख की छाड़ी में श्रमसाधना सदैव आपके साथ है

उठावनी/रसम पगड़ी का प्रकाशन

निःशुल्क

सम्पर्क करें

ग्वालियर

0751-2625029

9074257600

शिवपुरी

07492-232149

8251071286

E-mail : shramsadhnagwl@gmail.com

कलेक्टर श्री वर्मा का राशन वितरण में अनियमितता पर सख्त रुख

पात्र हितग्राहियों को समय पर और पूरी पारदर्शिता के साथ राशन उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता: कलेक्टर

कलेक्टर श्री वर्मा ने राशन वितरण केंद्र डहरवारा एवं बड़ोखरा में स्वयं के समक्ष वितरण कराया राशन

शिवपुरी, जीएनएस।

जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी, सुगम एवं प्रभावी बनाने के लिए प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा द्वारा राशन वितरण व्यवस्था की स्वयं निगरानी करते हुए शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही और पात्र हितग्राहियों को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने को प्राथमिकता दी जा रही है।

राशन वितरण से संबंधित शिकायत प्राप्त होते ही कलेक्टर श्री वर्मा ने तत्काल संज्ञान लेकर संबंधित अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लेने



तथा आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डहरवारा राशन दुकान में निरीक्षण के दौरान वितरण एवं स्टॉक से संबंधित अनियमितताएं सामने आने पर कार्यवाही की गई। सेल्समैन सुरेंद्र सिंह रावत के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की गई और जेल भेजा गया है। इसके बाद कलेक्टर श्री वर्मा स्वयं डहरवारा पहुंचे और अपनी मौजूदगी में

राशन वितरण प्रारंभ करवाया, जिससे पात्र हितग्राहियों को खाद्यान्न उपलब्ध हो सका।

इसी प्रकार बदरवास के बड़ोखरा में भी राशन वितरण से संबंधित शिकायत पर कलेक्टर श्री वर्मा ने तत्काल मौके पर पहुंचकर अपनी निगरानी में पात्र हितग्राहियों को राशन का वितरण कराया। उन्होंने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार एवं अन्य

संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि राशन की उपलब्धता एवं वितरण में किसी प्रकार की बाधा न आए और लंबित खाद्यान्न का शीघ्र वितरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने देहरदा सड़क पीडीएस दुकान का भी निरीक्षण किया।

कलेक्टर श्री वर्मा ने राशन वितरण व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं तहसीलदारों को अपने-अपने क्षेत्रों की राशन दुकानों का नियमित एवं अनिवार्य निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान स्टॉक, वितरण व्यवस्था तथा हितग्राहियों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की विशेष रूप से निगरानी की जाए। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि पात्र हितग्राहियों को समय पर और पूरी पारदर्शिता के साथ राशन उपलब्ध कराना प्रशासन

की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रशासन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली का लाभ प्रत्येक पात्र परिवार तक सुगमता से पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का त्वरित निराकरण करते हुए हितग्राहियों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा ने राशन कार्डधारियों से अपील की कि राशन प्राप्त करते समय निर्धारित मात्रा के अनुसार तौल अवश्य कराएं तथा राशन प्राप्त होने के बाद ही पीओएस मशीन पर अंगूठा लगाएं। किसी भी समस्या अथवा अनियमितता की जानकारी तत्काल संबंधित अधिकारियों को दें। प्रशासन द्वारा पारदर्शी, जवाबदेह एवं हितग्राही-केंद्रित राशन वितरण व्यवस्था के लिए निरंतर निगरानी और आवश्यक कार्रवाई जारी रहेगी।

चार बच्चों की दुखद मृत्यु की घटना पर जिला प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई

ग्राम गोराटीला स्थित झरने के पानी के उपयोग के बाद चार बच्चों की दुखद मृत्यु की घटना पर जिला प्रशासन द्वारा त्वरित संज्ञान लिया गया है।

इस घटना की सूचना मिलते ही तत्काल कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए और मंगलवार को ही पिकनिक मनाने गए सभी परिजनों के जांच के लिए सैपल लिए गए। सीएमएचओ द्वारा चिकित्सकों की 2 टीम बनाकर 50 ब्लड सैपल लिए गए हैं। तौकीर अहमद की 17 वर्षीय पुत्री ताशीन की जांच में समस्या पाए जाने पर अल्ट्रासाउंड कराकर इलाज कराया जा रहा है। चिकित्सकों द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। इसके अलावा पानी

की जांच के लिए भी सैपल लिए गए हैं। प्राप्त जानकारी अनुसार शिवपुरी शहर के वार्ड 9 हम्माल मोहल्ला निवासी श्री रजा मोहम्मद एवं फिजिकल थाना के सामने निवासरत श्री तनवीर के परिवार के 15 सदस्य गोराटीला झरने में पिकनिक मनाने गए थे। जहां उन्होंने स्नान किया और खाना खाया, जिसके बाद स्वास्थ्य बिगड़ने पर बच्चों की दुखद मृत्यु हो गई।

एसडीएम ने मौके पर किया निरीक्षण

कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा के निर्देश पर कोलारस एसडीएम श्री शिवदयाल धाकड़ ने प्रशासनिक अमले, पटवारी, सरपंच और ग्रामवासियों के साथ सिद्ध बाबा बरसाती नाले से निकलने वाले झरने व गोरा टीला क्षेत्र का सघन निरीक्षण किया। स्वास्थ्य विभाग

को गांव में सर्वे करने, ग्रामीणों की स्वास्थ्य निगरानी रखने और लक्षण दिखने पर तुरंत इलाज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

जिला प्रशासन की जनहित में अपील

जिला प्रशासन ने जांच रिपोर्ट आने तक ग्रामीणों से इस झरने के पानी में नहाने, पीने या इसे किसी भी घरेलू उपयोग में न लाने की अपील की है।

पीड़ित परिवारों को राहत राशि और संबल

जिला प्रशासन द्वारा पीड़ित परिजन को आर्थिक राहत पहुंचाई गई है। कलेक्टर श्री वर्मा के निर्देश पर अपर कलेक्टर श्री दिनेश चंद्र शुक्ला ने परिवार से मिलकर शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं और रेडक्रॉस से पीड़ित परिवारों को 1.5 लाख की राहत राशि का चेक सौंपा।



युवा अपनी जिज्ञासा, परिश्रम और नवाचार से विकसित भारत की दिशा तय करेंगे: मंत्री परमार

भोपाल, जीएनएस।

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति और संपदा हैं। उनकी जिज्ञासा, ज्ञान, परिश्रम, अनुसंधान एवं नवाचार की क्षमता ही भारत को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। वर्ष 2047 में जब भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी पूर्ण करेगा, तब भारत कैसा होगा, यह आज की युवा पीढ़ी के ज्ञान, परिश्रम और संकल्प से तय होगा। उन्होंने विद्यार्थियों से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। मंत्री श्री परमार मंगलवार को भोपाल स्थित रविन्द्र भवन के हंसध्वनि सभागृह में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) भोपाल में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए आयोजित अभिमुखीकरण समारोह-2026 'दीक्षारंभ' के उद्घाटन सत्र में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आईआईआईटी भोपाल में चयनित सभी नवप्रवेशित विद्यार्थियों को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

जिज्ञासा को अनुसंधान और समाधान से जोड़ें: मंत्री श्री परमार ने विद्यार्थियों से कहा कि उनके मन में निरंतर जिज्ञासा बनी रहनी चाहिए। जिज्ञासा ही ज्ञान की पहली सीढ़ी है और ज्ञान को अनुसंधान एवं नवाचार से जोड़कर ही देश की समस्याओं के प्रभावी

समाधान खोजे जा सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे केवल ज्ञान अर्जित करने तक सीमित न रहें, बल्कि अपनी प्रतिभा और तकनीकी दक्षता का उपयोग समाज एवं राष्ट्र के विकास के लिए करें।

मंत्री श्री परमार ने कहा कि तकनीक तेजी से बदल रही है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आने वाले समय में शिक्षा, रोजगार, उद्योग और समाज के अनेक क्षेत्रों को प्रभावित करेगी। विद्यार्थियों को इन परिवर्तनों को समझते हुए तकनीकी ज्ञान एवं नवाचार के क्षेत्र में स्वयं को निरंतर तैयार करना होगा। आईआईआईटी भोपाल विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक, अनुसंधान और नवाचार का उत्कृष्ट अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

2047 का भारत आज की युवा पीढ़ी तय करेगी

मंत्री श्री परमार ने कहा कि स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूर्ण होने पर वर्ष 2047 में भारत एक विकसित राष्ट्र के रूप में विश्व के सामने खड़ा हो - इसके लिए आज से ही मजबूत आधार तैयार करना होगा। आज की युवा पीढ़ी ही 2047 के भारत का निर्माण करेगी। राष्ट्र निर्माण के लिए केवल प्रतिभा ही नहीं, बल्कि परिश्रम, अनुशासन, जिम्मेदारी, संस्कार और कर्तव्यबोध भी आवश्यक हैं।

19 को भव्य रूप से मनाई जाएगी राधा अष्टमी

शिवपुरी, जीएनएस।

राधा रानी सेवा समिति द्वारा राधा अष्टमी महापर्व को भव्य एवं धार्मिक उत्साह के साथ मनाने की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन जल मंदिर मैरिज हॉल में समिति के सम्माननीय सदस्यों की उपस्थिति में किया गया।

बैठक का शुभारंभ भगवान श्री राधा-कृष्ण जी के छायाचित्र पर तिलक-चंदन एवं माल्यार्पण कर विधिवत पूजन एवं आरती के साथ हुआ। तिलक-चंदन हरिओम गौतम, साधना गुप्ता, गोपाल दास गुप्ता, लीलावती शंखवार एवं विष्णु प्रसाद अग्रवाल द्वारा किया गया, जबकि माल्यार्पण सुरेंद्र कुमार गोयल, भागीरथ कुशवाह एवं साधना शर्मा द्वारा किया गया।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 19 सितंबर

माधव चौक पर होगा विशाल भंडारा एवं प्रसादी वितरण, भव्य दरबार और रासलीला का आयोजन

2026 को शिवपुरी टॉकीज, माधव चौक पर राधा अष्टमी महापर्व भव्य रूप से मनाया जाएगा। इस अवसर पर राधा रानी सेवा समिति द्वारा विशाल भंडारा एवं प्रसादी वितरण, भव्य दरबार, रासलीला, हनुमान चालीसा तथा सामूहिक महाआरती सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समिति के सदस्यों द्वारा तन-मन-धन से सहयोग एवं सहभागिता करने का संकल्प लिया गया।

समिति की संरक्षिका सुश्री मणिका शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि राधा रानी का प्राकट्य दिवस प्रेम, करुणा, त्याग,

विनम्रता और निस्वार्थ सेवा का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि यह महापर्व केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज में प्रेम, सेवा और भाईचारे की भावना को मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने सभी सदस्यों एवं श्रद्धालुओं से सामूहिक भावना और सहभागिता के साथ राधा अष्टमी महापर्व को भव्य एवं यादगार बनाने का आह्वान किया।

बैठक में मुख्य रूप से विजय गुप्ता, कामता प्रसाद गर्ग, केशव प्रसाद शर्मा, मुकेश सोनी, नेमीचंद अग्रवाल, राजेश भार्गव, नीलेश दुबे, नागपाल जी, महेश अग्रवाल, अशोक शिवहरे, मुन्ना बाबू गोयल, दीपक प्रधान, बाइसराम धाकड़, मुकेश

शर्मा भैया, राजा सोनी, जुगल गुप्ता, नीरज शर्मा, प्रमोद कुमार धाकड़, नीरज गुप्ता, हरवीर सिंह रावत, उदय रावत, बृजेश शर्मा, नरूलाल शाक्य, हरिकृष्ण सिंघल, रवि कुशवाह, विशाल मित्तल, दिनेश शर्मा, दम्पू, संतोष सोनी, केदारी लाल गर्ग, नवीन चाट, मनोज गुप्ता, विनोद राठौर, नीलिमा विश्वास, नितिन भार्गव, पवन झा, धर्मेन्द्र राठौर, सतीश चंद्र श्रीवास्तव, भूपेंद्र गुप्ता, रवि जैन, अटल कुमार, के.के. पाठक, यश गोयल, राकेश अग्रवाल, राजेश जी, विनोद गोयल, आदित्य गुप्ता, शीतल प्रकाश जैन, संग्राम राठौर, कृष्णा गोयल, पवन जैन, रोहित प्रधान, दिव्यांश वर्मा, कृष्ण गोपाल गुप्ता, मोहन सोनी, रामेश्वर सिंघल, राज शर्मा, मनीष गोयल, गौरव गुप्ता सहित समिति के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

दिव्यांग महिला को मिली ट्राइसिकल

तीन बच्चों को स्पॉन्सरशिप योजना में लाभ देने के निर्देश



**मोर मुकुट शीश धरे
श्यामल कृष्ण कन्हई,**

यदुनंदन की मुरली की तान हर मन को भाई ।
वृंदावन की गलियों में घूमें है यशुमति नंदलाला,
मधुर-मधुर मुरलिया बजा ? काली कमली वाला,
गोरी-गोरी राधिका से करें हँसी-ठिठोली लड़ाई,
यदुनंदन की मुरली की तान हर मन को भाई ।
गईयन को है प्यारो नटखट गोविंद गोपाला,
वाकी दीवानी भईन सारी ग्वालिन बूजबाला,
होंडी दूध-दही की फोड़े खावे है दूध मलाई,
यदुनंदन की मुरली की तान हर मन को भाई ।
गोप-गोपीयों संग खेलते खेल जग का रखवाला,
भक्तो ने पहनाई कृष्ण को प्रेमी मन की माला,
धरा पर हरि ने फ़आनंदफ़ अद्भुत लीला ? दिखाई,
यदुनंदन की मुरली की तान हर मन को भाई ।
मोर मुकुट शीश धरे श्यामल कृष्ण कन्हई,
यदुनंदन की मुरली की तान हर मन को भाई ।

मोनिका डागा 'आनंद', चेन्नई

श्वोपुर, जीएनएस।
कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा द्वारा आज जनसुनवाई में आई दिव्यांग महिला श्रीमती चन्द्रकला पति श्री काडू सुमन निवासी पाण्डोला को सामाजिक न्याय विभाग के माध्यम से ट्राइसिकल प्रदान की गई। महिला द्वारा जनसुनवाई में आवेदन प्रस्तुत किया गया था कि पैरों से दिव्यांग होने के चलते उसे ट्राइसिकल प्रदान की जायें। सामाजिक न्याय विभाग की उप संचालक श्रीमती शशिकिरण इक्का ने बताया कि दिव्यांग महिला को पेंशन का लाभ दिया जा रहा है तथा ट्राइसिकल की मांग पर उन्हें ट्राइसिकल प्रदान कर दी गई है।

इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री कार्तिकेय जायसवाल ने जनसुनवाई के दौरान आये आवेदकों की समस्याएं गंभीरता से सुनते हुए उनके निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये।



जनसुनवाई में 163 आवेदन प्राप्त हुए।

जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान एसडीएम श्री गगन सिंह मीणा, डिप्टी कलेक्टर श्री विजय शाक्य एवं श्री शिवलाल शाक्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

तीन बच्चों को स्पॉन्सरशिप योजना में लाभ देने के निर्देश

जनसुनवाई के दौरान

सीईओ जिला पंचायत श्री कार्तिकेय जायसवाल ने दो अलग-अलग आवेदनों पर बच्चों को स्पॉन्सरशिप योजना का लाभ प्रदान करने के निर्देश महिला बाल विकास विभाग के अधिकारियों को दिये गये। ग्राम कलमुण्डा निवासी श्री राधेश्याम मीणा ने बताया कि उसके पुत्र की मृत्यु के बाद पोते का पालन पोषण उसके द्वारा किया जा रहा है, इसी प्रकार ग्राम दुबडी



निवासी श्री प्रकाश बैरवा द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया कि उसके पुत्र की मृत्यु हो गई है और उसके दो बच्चे हैं, जिनका पालन पोषण उनके द्वारा किया जा रहा है। इन मामलों में सहायता की मांग पर तीन बच्चों को स्पॉन्सरशिप योजना अंतर्गत लाभ प्रदान करने के निर्देश दिये गये। सीईओ जिला पंचायत श्री कार्तिकेय जायसवाल ने जनसुनवाई के दौरान ग्राम सोठवा निवासी श्रीमती कृष्णा

मीणा, बगवाज निवासी श्री देवीशंकर सुमन, बुखारी निवासी श्री रणवीर एवं श्री मुरारी आदिवासी, हासिलपुर खुर्द निवासी श्री गणेश प्रसाद, बुखारी निवासी श्री कैलाश आदिवासी, बर्धाखुर्द निवासी श्री मांगीलाल, श्री काडू आदिवासी, श्री तन्सी आदिवासी तथा मेवाडा निवासी श्री प्रहलाद को पीएम किसान सम्मान निधि अंतर्गत लाभ दिये जाने के निर्देश संबंधित राजस्व अधिकारियों को दिये गये।

रेपिड किट से की दूध में कैमिकल की जांच, दो डेयरियों से सैम्पल भी लिए

श्वोपुर, जीएनएस।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ दिलीप सिकरवार के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा आमजन को मानक खाद्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से सतत रूप से खाद्य पदार्थों की जांच एवं सैम्पल लेने की कार्यवाही की जा रही है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री धमेन्द्र जैन ने बताया कि 5 डेयरियों पर आज रेपिड किट के माध्यम से दूध में कैमिकल मिलावट की जांच की गई। इसके साथ ही दो दूध डेयरियों से दूध के सैम्पल भी लिये गये हैं। उन्होंने जानकारी दी कि पाली रोड श्वोपुर स्थित मनीष दूध डेयरी, क्षेत्रपाल दूध डेयरी, मुरैना दूध डेयरी, कृष्णा दूध डेयरी एवं स्टेशन रोड श्वोपुर स्थित श्रीराम



दुग्ध डेयरी पर रेपिड किट के माध्यम से दूध में कैमिकल मिलावट के संबंध में जांच की गई। जांच के दौरान किसी भी डेयरी पर दूध में कैमिकल की मिलावट नहीं पाई गई। उन्होंने बताया कि रेपिड किट के माध्यम से दूध में यूरिया, हार्डडोजन पराक्साइड, कास्टिक, नमक, सुक्रोस, माल्टो डेक्ट्रिन पावडर, ग्लूकोज की जांच की जाती है,

उपरोक्त सभी डेयरियों पर जांच में उक्त किसी भी कैमिकल की कोई मिलावट नहीं पाई गई। उन्होंने बताया कि इसके अलावा मुरैना दूध डेयरी एवं कृष्णा दूध डेयरी से दूध के नमूने भी लिये गये हैं, जिनको जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया है, जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने पर वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

नेशनल लोक अदालत को लेकर अधिवक्ताओं के साथ बैठक आयोजित

श्वोपुर, जीएनएस।

माननीय म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के दिशा-निर्देशानुसार 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली आगामी नेशनल लोक अदालत के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन हेतु माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री बीएल प्रजापति की अध्यक्षता में जिला स्थापना श्वोपुर के समस्त न्यायाधीशगण एवं जिला अभिभाषक संघ के अधिवक्तागण के साथ बैठक का आयोजन जिला अभिभाषक संघ, श्वोपुर के सभागार कक्ष में किया गया।

उक्त बैठक में माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री बीएल प्रजापति द्वारा बताया गया कि नेशनल लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य पक्षकारों के बीच लंबे



समय से लंबित विवादों को आपसी सहमति और सौहार्दपूर्ण तरीके से निपटारा कराना है। उनके द्वारा सभी न्यायाधीशगण और अधिवक्तागण से अपील की कि ऐसे मामलों को चिन्हित करें जिनमें राजीनामा होने की प्रबल संभावना है।

जिला अधिवक्ता संघ के सदस्यों के साथ चर्चा करते हुए उनके द्वारा कहा गया कि लोक अदालत की सफलता में अधिवक्ताओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। अधिवक्ता अपने पक्षकारों को लोक अदालत के माध्यम से मिलने वाले लाभों

(जैसे- कोर्ट फीस की वापसी, त्वरित न्याय और समय व धन की बचत) के बारे में जागरूक कर उन्हें समझौते के लिए प्रेरित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

उक्त बैठक में माननीय विशेष न्यायाधीश एवं नोडल अधिकारी, नेशनल लोक अदालत, श्री सुशील कुमार, जिला न्यायालय श्वोपुर के अन्य समस्त सम्माननीय न्यायाधीशगण, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अध्यक्ष, जिला अभिभाषक संघ, जिला विधिक सहायता अधिकारी एवं अभिभाषक संघ के समस्त अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

प्रदेश के लगभग 1 लाख 22 हजार विद्यार्थियों को लैपटॉप खरीदने मिली 25-25 हजार की राशि

श्वोपुर, जीएनएस।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा आज भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित राज्य स्तरीय 'प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना' के राशि अंतरण कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश के लगभग एक लाख 22 हजार मेधावी विद्यार्थियों के बैंक खातों में लैपटॉप खरीदने के लिए 304 करोड़ 98 लाख 50 हजार रुपये से अधिक की राशि अंतरित की। सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रत्येक पात्र विद्यार्थी को 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। इस योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा

मंडल की कक्षा 12वीं की परीक्षा में प्रथम प्रयास में 75 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को लाभान्वित किया गया है। प्रदेश सरकार की यह पहल प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए आवश्यक डिजिटल संसाधन उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। लैपटॉप के माध्यम से विद्यार्थी ऑनलाइन अध्ययन, डिजिटल पाठ्य सामग्री, ई-लर्निंग और अन्य तकनीकी संसाधनों का उपयोग कर अपनी शिक्षा को और बेहतर बना सकेंगे।

श्वोपुर जिले के 1464 मेधावी विद्यार्थियों को मिला लाभ

जिला शिक्षा अधिकारी श्री यश जैन ने बताया कि उक्त कार्यक्रम के माध्यम से श्वोपुर जिले के 1464 मेधावी विद्यार्थियों को भी योजना के तहत लैपटॉप खरीदने के लिए 25-25 हजार रुपये की राशि बैंक खातों के माध्यम से प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का प्रसारण जिले के सभी हायर सैकेण्डरी स्कूलों में किया गया।

समरसता संकल्प अभियान एवं यात्रा का आयोजन जारी

श्वोपुर, जीएनएस।

संत शिरोमणि रविदास की 650वीं जन्मजयंती के अवसर पर उनके जीवन-दर्शन, समता, भक्ति, सेवा, सामाजिक न्याय एवं मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान एवं यात्रा का आयोजन जारी है।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में समरसता संकल्प अभियान एवं यात्रा निर्धारित रूट अनुसार संचालित है। इस दौरान यात्रा का ग्रामों में स्वागत किया जा रहा है तथा कलश पूजन किया जा रहा है। सहायक आयुक्त



जनजाति कार्य विभाग श्री राकेश गुप्ता ने बताया कि विजयपुर विकासखण्ड के ग्राम बलावनी, भूरेडी तथा रघुनाथपुर में समरसता यात्रा के आगमन पर कार्यक्रम आयोजित किये गये तथा कलश पूजन कर संत

रविदास जी की तस्वीर पर माल्यार्पण किया गया। इस दौरान श्री देवेन्द्र सिंह जादौन, श्री विशम्भर सिंह, श्री भरोसीलाल गुप्ता, श्री बनवारी लाल माहौर आदि गणमान्य नागरिक एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा- हर श्वास समाज के उत्थान और जनकल्याण के लिए समर्पित हो

बाबू रघुवीर सिंह की प्रतिमा का अनावरण, आकाशवाणी तिराहा अब होगा 'रघुवीर सिंह तिराहा'

ग्वालियर जीएनएस
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को आकाशवाणी तिराहा पर पूर्व विधायक एवं नगर निगम परिषद के पूर्व नेता प्रतिपक्ष स्वर्गीय बाबू रघुवीर सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने रिमोट का बटन दबाकर प्रतिमा का अनावरण किया और पुष्प अर्पित कर स्व. रघुवीर सिंह को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि अब आकाशवाणी तिराहा का नाम 'स्व. बाबू रघुवीर सिंह तिराहा' होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मनुष्य को जीवन में मिला प्रत्येक क्षण महत्वपूर्ण है। समय

निरंतर गुजरता रहता है, इसलिए हमें अपनी हर श्वास और समय का उपयोग समाज के उत्थान एवं जनकल्याण के लिए करना चाहिए। उन्होंने स्व. बाबू रघुवीर सिंह के जीवन को याद करते हुए कहा कि उन्होंने महात्मा गांधी के विचारों और मार्ग पर चलते हुए स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्रमिकों और किसानों के हितों एवं अधिकारों के लिए उनका योगदान उल्लेखनीय रहा। उन्होंने जीवनभर समाज को स्वावलंबी बनाने की दिशा में काम किया।

उन्होंने कहा कि ग्वालियर के लिए यह भावुक क्षण है। स्व. रघुवीर सिंह की प्रतिमा का अनावरण केवल एक प्रतिमा स्थापित करना नहीं, बल्कि गौरवशाली अतीत और उनके व्यक्तित्व-कृतित्व को नई पीढ़ी तक



पहुंचाने का माध्यम है। मुख्यमंत्री ने नागरिकों को हलधर बलराम जयंती एवं जन्माष्टमी की शुभकामनाएं भी दीं।

बाबूजी राजनेता कम, समाजसेवक अधिक थे : केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में पिछले ढाई वर्षों

में ग्वालियर को असीम स्नेह और विकास का सहयोग मिला है। उन्होंने कहा कि उनके लिए यह दिन बेहद भावुक है, क्योंकि उन्होंने बाबू रघुवीर सिंह को बचपन से देखा था।

सिंधिया ने कहा कि स्व. बाबू रघुवीर सिंह का पूरा जीवन समाज और राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित

रहा। वे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के घर-घर जाकर उनके परिवारों की सेवा करते थे। कृषि विषय में शिक्षा प्राप्त करने के बाद उन्होंने किसानों के हित में भी कई महत्वपूर्ण कार्य किए। उन्होंने कहा कि बाबूजी राजनेता कम और समाजसेवक अधिक थे।

श्रमिकों और समाज के लिए जीवनभर संघर्ष किया : विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि स्व. बाबू रघुवीर सिंह सच्चे श्रमिक नेता थे। उनका पूरा जीवन श्रमिकों के हितों और अधिकारों के लिए संघर्ष करते हुए बीता। उनके साथ उनके आत्मीय संबंध रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुरार और थाटीपुर क्षेत्र के विकास के लिए दोनों ने कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। उनका संपूर्ण जीवन समाज के प्रति समर्पित रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत रघुवीर सिंह के पुत्र रामसुंदर सिंह (रामू) के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने प्रतिमा अनावरण में सहयोग के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बाल खांडे ने रघुवीर सिंह के जीवन और सामाजिक योगदान की जानकारी दी। समारोह में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, क्षेत्रीय सांसद भारत सिंह कुशवाहा, राज्यसभा सांसद अशोक सिंह, नगर निगम सभापति मनोज तोमर, विधायक प्रीतम लोधी, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि निशांत खरे सहित अन्य जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने हेमंत खंडेलवाल और सद्गुरु को दी जन्मदिन की बधाई, पिता की पुण्यतिथि पर किया स्मरण



भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल को जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने हेमंत खंडेलवाल के संगठनात्मक अनुभव, नेतृत्व क्षमता और जनसेवा के कार्यों की सराहना करते हुए स्वस्थ, दीर्घायु और उज्ज्वल जीवन की कामना की।

मुख्यमंत्री ने ईशा फाउंडेशन के संस्थापक एवं आध्यात्मिक गुरु

पद्म विभूषण सद्गुरु जग्गी वासुदेव को भी जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने कहा कि सद्गुरु के माध्यम से आध्यात्मिक चेतना, सेवा और सामाजिक समरसता का संदेश निरंतर विस्तार पाए। मुख्यमंत्री ने बाबा महाकाल से उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। इसी अवसर पर डॉ. यादव ने अपने पिता पूनमचंद यादव की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें अपनी सबसे बड़ी प्रेरणा बताया। उन्होंने कहा कि शरीर नश्वर है, लेकिन व्यक्ति का स्नेह स्मृतियों में हमेशा जीवित रहता है। पिता के दिए संस्कार व्यक्तित्व में और उनके आदर्श कर्मों में दिखाई देते हैं। उनका मार्गदर्शन जीवन की अमूल्य विरासत है, जो सदैव प्रेरणा और संबल प्रदान करता रहेगा।

गेम्स, लकी ड्रॉ और पुरस्कारों के साथ सदस्यों ने उठाया पारिवारिक मिलन का आनंद सिंध नवयुवक सामाजिक सुरक्षा मंडल की पारिवारिक पिकनिक आयोजित

ग्वालियर जीएनएस

पूज्य सिंध हिन्दू जनरल पंचायत द्वारा गठित सिंध नवयुवक सामाजिक सुरक्षा मंडल की ओर से मंगलवार, 1 सितंबर को 7 हिल्स रिजॉर्ट्स में पारिवारिक पिकनिक का आयोजन किया गया। दोपहर 2 बजे से शाम 8 बजे तक आयोजित कार्यक्रम में मंडल के सदस्यों और उनके परिवारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मंडल के अध्यक्ष मुकेश वासवानी एवं उपाध्यक्ष आलोक आहूजा ने बताया कि पिकनिक के दौरान एंकर नेहा जैन ने पुरुषों, महिलाओं एवं बच्चों के लिए विभिन्न मनोरंजक गेम्स आयोजित



किए। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। ऑनलाइन भुगतान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ऑनलाइन पेमेंट करने वाले सदस्यों के बीच पांच लकी ड्रॉ भी

निकाले गए, जिनके विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

कार्यक्रम के दौरान मंडल में शामिल हुए 12 नए सदस्यों का स्वागत किया गया। साथ ही कार्यक्रम के संयोजकों एवं

पुरस्कार प्रायोजित करने वाले सदस्यों का भी पदाधिकारियों ने स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन अमृत माखीजानी ने किया।

पारिवारिक पिकनिक में विजय वलेचा, सुरेश खत्री, संतोष वाधवानी, जय जयसिंधानी, श्रीचंद पंजाबी, प्रहलाद रोहिड़ा, धनराज दर्दा, रमेश रुपानी, ओमप्रकाश छाबड़ा, ओमप्रकाश माखीजा, नरेंद्र छाबलानी, निशांत सुखीजा, कन्हैयालाल छाबड़ा, गुरुमुख वाधवा, हर्ष मोरयानी सहित बड़ी संख्या में सदस्य एवं उनके परिवारजन उपस्थित रहे।

छप्पन भोग, फूल बंगला, भजन संध्या और कृष्ण बाल स्वरूप में होंगे अचलनाथ के दर्शन जन्माष्टमी पर अचलेश्वर महादेव मंदिर में पहली बार होगा गरबा-डांडिया और मटकी फोड़ प्रतियोगिता

ग्वालियर जीएनएस

श्री अचलेश्वर महादेव मंदिर में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी श्रीकृष्ण जन्म महोत्सव धूमधाम और धार्मिक उल्लास के साथ मनाया जाएगा। जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिर में पहली बार गरबा-डांडिया एवं मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा। आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

यह जानकारी अचलेश्वर युवा मंडल के रवि चौबे एवं कावेरी वेलफेयर फाउंडेशन की कंचन राव ने पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने



बताया कि जन्मोत्सव के दौरान मंदिर में 56 भोग, फूल बंगला, भजन संध्या, दही हांडी सहित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस बार आयोजन का प्रमुख आकर्षण अचलनाथ भगवान के कृष्ण के बाल स्वरूप में दर्शन रहेगा।

जन्माष्टमी के अवसर पर अचलेश्वर महादेव मंदिर से सनातन मंदिर रोड तक आकर्षक विद्युत सजावट की जाएगी। मध्यरात्रि ठीक 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के अवसर पर विशेष पूजन एवं महाभिषेक किया जाएगा। इस दौरान ढोल-नगाड़ों और आतिशबाजी के

साथ जन्मोत्सव मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि जन्माष्टमी की शाम आरती के बाद दर्शनार्थियों को छप्पन भोग का महाप्रसाद वितरित किया जाएगा। वहीं कावेरी वेलफेयर फाउंडेशन के तत्वावधान में मुरार स्थित निक्की पब्लिक स्कूल के बच्चों द्वारा भव्य दही हांडी कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। इसके साथ ही बच्चों की ओर से मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी। आयोजकों के अनुसार इस बार गरबा-डांडिया और मटकी फोड़ प्रतियोगिता को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है।

गायत्री प्रज्ञा पीठ कंपू में धूमधाम से मनेगा श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

ग्वालियर जीएनएस

गायत्री प्रज्ञा पीठ कंपू में 4 सितंबर शुक्रवार को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। आयोजन को लेकर प्रज्ञा पीठ में तैयारियां की जा रही हैं। कार्यक्रम में भगवान श्रीकृष्ण का विशेष पूजन-अर्चन, अभिषेक एवं आकर्षक श्रृंगार किया जाएगा। प्रज्ञा

पीठ के ट्रस्टी शिववीर सिंह चौहान ने बताया कि जन्मोत्सव कार्यक्रम शाम 4 से 7 बजे तक आयोजित होगा। कार्यक्रम की शुरुआत श्रीकृष्ण भक्ति गीत एवं महिला संगीत से होगी। इसके बाद बच्चों द्वारा तैयार की गई श्रीकृष्ण लीला पर आधारित लघु नाटिका का मंचन किया जाएगा।

नाम परिवर्तन सूचना

मुझ प्रार्थनी का सही नाम मालती देवी (MALATI DEVI) है, यही नाम मेरे आधार कार्ड, समग्र आईडी व मेरी दूसरी पुत्री दीक्षा तोमर के शैक्षणिक दस्तावेज आदि में दर्ज है, जबकि मेरी पुत्री श्रद्धा तोमर (SHRADHA TOMAR) के शैक्षणिक दस्तावेजों (सी.बी.एस.ई.), स्कूल रिकॉर्ड एवं जन्मप्रमाण पत्र में त्रुटिबश मेरा घरू नाम सोनी तोमर (SONI TOMAR) दर्ज हो गया है। मालती देवी (MALATI DEVI) और सोनी तोमर (SONI TOMAR) दोनों मुझ एक ही महिला के नाम हैं। अतः इस सूचना प्रकाशन उपरांत मेरी पुत्री श्रद्धा तोमर (SHRADHA TOMAR) के शैक्षणिक दस्तावेजों (सी.बी.एस.ई.), स्कूल रिकॉर्ड, जन्मप्रमाण पत्र एवं समस्त शासकीय/अशासकीय दस्तावेजों में मेरा नाम सोनी तोमर (SONI TOMAR) के स्थान पर मेरा सही नाम मालती देवी (MALATI DEVI) पढ़ा, लिखा व दर्ज किया जावे।

नया नाम : मालती देवी (MALATI DEVI)
पुराना नाम : पत्नी श्री वीर सिंह तोमर, निवासी - ग्राम बैशपुरा, सोनी तोमर (SONI TOMAR) तह. गोहद, धोनपुरा, बहोनापुरा, भिण्ड (म.प्र.)